कोटद्वार, रविवार
30 नवम्बर 2025
वर्षः 48
अंकः 195 पृष्ठः 4
मूल्यः 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नगेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

एक नजर

अज्ञात वाहन की चपेट में आने से युवक की मौत

रुद्रपुर। यूएसनगरझलालकुआं बॉर्डर पर गुरुवार देर रात एक अज्ञात वाहन की चपेट में आने से युवक की मौके पर ही मौत हो गई। शनिवार को पंतनगर पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया। शुक्रवार को गमगीन माहौल में स्थानीय श्मशान घाट पर उसका अंतिम संस्कार किया गया। इससे पहले, गुरुवार को ही परिजनों ने युवक की गुमशुदगी दर्ज कराई थी। प्रेम सिंह मढवाल एयरफोर्स से सेवानिवृत्त होने के बाद जवाहर नगर की कृष्ण विहार कॉलोनी में परिवार सहित रहने लगे थे। उनके दो पुत्रों में बड़ा बेटा 28 वर्षीय सुरेंद्र सिंह मढवाल उर्फ सोनू मढवाल लंबे समय से दिल्ली के एक रेस्टोरेंट में कुक का काम कर रहा था। गत वर्ष 24 नवंबर को शादी के बाद वह यहीं रहकर नगला बाईपास स्थित एक फूड कोर्ट रेस्टोरेंट में कुक का काम करने लगा। बुधवार देर रात लगभग 10:45 बजे वह अचानक फूड कोर्ट से लापता हो गया और अगले दिन घर न लौटने पर परिजनों ने उसकी गुमशुदगी दर्ज कराई। इसी बीच, गुरुवार रात लगभग 11 बजे यूएसनगरझनैनीताल बॉर्डर पर सुभाष नगर बैरियर के पास राहगीरों ने एक युवक को सड़क किनारे घायल अवस्था में देखा। 108 एंबुलेंस की मदद से उसे एसटीएच पहुंचाया, जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने गुमशुदगी के आधार पर प्रेम सिंह मढवाल को एसटीएच बुलाया। उन्होंने मृतक की पहचान अपने बड़े पुत्र सुरेंद्र के रूप में की। सुरेंद्र की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। उसकी पत्नी बदहवास हो गई। पंतनगर थाना प्रभारी नंदन सिंह रावत ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

नियम तोड़ने वाले 44 वाहनों के चालान, दस सीज किए

देहरादून। परिवहन विभाग ने शुक्रवार रात देहरादून और विकासनगर क्षेत्र में सुरक्षा मानक पूरे नहीं करने और ट्रैफिक नियम तोड़ने वाले वाहनों के खिलाफ कार्रवाई की। विभाग की टीमों ने 44 वाहनों के चालान किए। इसके साथ ही 10 वाहन सीज किए हैं। इसमें तीन बस, चार ट्रैक्टर ट्रॉली और एक चार डंपर शामिल हैं। आईएसबीटी, आशारोड़ी, शिमला बाईपास, तेलपुरा सिंहनीवाला और सेलाकुंई प्रेमनगर मार्ग क्षेत्र में चेकिंग की गई। बसों में सुरक्षात्मक उपाय फिटनेस, रिफ्लेक्टर अग्निशमन यन्त्र और आकस्मिक दरवाजा आदि की जांच की गई। परिवहन कर अधिकारी अनुराधा पन्त एवं अरविन्द यादव सम्भागीय निरीक्षक ने एक–एक वाहन को चेक किया। आरटीओ प्रवर्तन डॉ. अनीता चमोला ने बताया कि चेकिंग के दौरान 44 वाहनों के चालान किए। इसके साथ ही 10 वाहन सीज किए हैं। इसमें तीन बसें भी शामिल हैं, जो परमिट शर्तों का पालन नहीं कर रही थी, इसके साथ ही बसों में सुरक्षा के मानक भी पूरे नहीं थे। रातभर परेशान रहे यात्री जिन बसों को सीज किया गया उनमें सवार यात्रियों को परिवहन अधिकारियों ने परिवहन निगम की बसों से यात्रा करने की सलाह दी गई, लेकिन परिवहन निगम की देहरादून से दिल्ली के लिए रात 12 बजे बाद कोई बस सेवा नहीं थी। जिस कारण यात्री रातभर परेशान रहे। ज्यादातर यात्रियों को वापस लौटना पड़ा। इस दौरान यात्रियों ने कार्रवाई का विरोध कर परिवहन अधिकारियों के साथ नोकझोंक भी की। परिवहन अधिकारियों ने यात्रियों को किसी तरह समझाया। टीम को देखकर भागा डंपर चालक कार्रवाई के दौरान शिमला बाईपास रोड पर एक डंपर को चेकिंग के रोकना चाहा। लेकिन डंपर चालक अंधेरे का फायदा उठाकर भाग गया।

पथरी में पति पत्नी की अनबन में पत्नी ने गटका जहर, मौत

हरिद्वार। भट्ठीपुर में एक विवाहिता ने संदिग्ध परिस्थितियों में जहरीले पदार्थ का सेवन कर आत्महत्या कर ली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया है। मामले में अभी पुलिस को तहरीर नहीं आई है। पुलिस के अनुसार 21 वर्षीय पायल पत्नी मोहित निवासी भट्ठीपुर ने गृह क्लेश के चलते संदिग्ध परस्थितियों में जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया। हालात बिगड़ने पर ससुराल वालों को इसकी जानकारी हुई तो वह आननफानन में उसे अस्पताल ले गए जहां जिकित्साको ने उसे मृतक घोषित कर दिया। पुलिस जांच में सामने आया है कि दोनों की तीन वर्ष पूर्व प्रेम प्रसंग के चलते शादी हुई थी।

श्रीलंका में बाढ़ से 123 लोगों की मौत

भारत ने मदद के लिए ऑपरेशन सागर बंधु शुरू किया

नईदिल्ली ,तूफानी चक्रवात दित्वाह ने श्रीलंका में भारी तबाही मचाई है। तूफान के चलते श्रीलंका में हुई मूसलाधार बारिश और बाढ़ में अब तक 123 लोगों की मौत हो गई है। 130 लोग लापता बताए जा रहे हैं। श्रीलंका के आपदा प्रबंधन केंद्र (डीएमसी) ने बताया कि राहत और बचाव कार्य जारी है और हफ्ते भर से जारी बारिश में 43,995 लोगों के घर तबाह हो गए हैं। श्रीलंका की मदद के लिए भारत ने ऑपरेशन सागर बंधु शुरू किया है। डीएमसी के मुताबिक, लगभग 15,000 घर पूरी तबाह हो गए हैं और करीब 44,000 लोगों ने सरकारी शिविरों में शरण ली रखी है। भूस्खलन के चलते कई इलाकों का मुख्य क्षेत्रों से संपर्क टूट गया है। बिजली और जल आपूर्ति भी प्रभावित हुई है और केबलें टूटने से मोबाइल नेटवर्क भी बाधित हो गया है। श्रीलंका में इससे पहले इतनी भीषण बाढ़ साल 2003 में आई थी, जब 254 लोग मारे गए थे। भारत ने ऑपरेशन सागर बंधु के तहत श्रीलंका को बचाव टीमें और मानवीय राहत सामग्री भेजी है। भारतीय वायुसेना ने कहा कि उसने श्रीलंका के लिए 21 टन राहत सामग्री, 80 से ज्यादा राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) के जवान और 8 टन सामान एयरलिफ्ट किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी जान–माल के नुकसान पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि भारत जरूरत पड़ने पर और सहायता प्रदान करने के लिए तैयार है।

खनन से भरी ट्रैक्टर ट्रॉली ने बाइक को रौंदा, दो की मौत

रुड़की। रुड़की से सटे इब्राहिमपुर और हदीपुर के बीच शनिवार को खनन से भरी ट्रैक्टर ट्राली ने बाइक सवार दो लोगों को कुचल दिया। जिससे दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद आरोपी ट्रैक्टर ट्रॉली चालक मौके से फरार हो गया। इधर, गुस्साए ग्रामीणों ने शव को सड़क पर रखकर करीब चार घंटे तक जमा लगाया। पुलिस अधिकारियों ने उचित मुआवजा दिलवाने का आश्वासन पर परिजन शांत हुए और जाम खोला। पुलिस ने दोनों शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार शनिवार को उन्हें सूचना मिली की इब्राहिमपुर और हदीपुर के बीच एक सड़क हादसा हो गया हैं। जब पुलिस मौके पर पहुंची तो पता चला की खनन से भरी एक ट्रैक्टर ट्रॉली और बाइक में आमने–सामने की टक्कर हो गई। हादसे में बाइक सवार 45 वर्षीय मटरू राठौर पुत्र इमरता और 60 वर्षीय चंदर दोनों निवासी इब्राहिमपुर मसाई की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही ग्रामीणों के साथ ही ज्वालापुर विधायक रवि बहादुर और भाजपा नेता सुबोध राकेश, जय भगवान सैनी, भूप सिंह, विजयपाल समेत अन्य नेता भी ग्रामीणों के समर्थन में मौके पर पहुंच गए। सभी ने घटना का विरोध किया। आरोपी ट्रैक्टर ट्रॉली चालक को गिरफ्तार करने और मृतकों के परिजनों को दस–दस लाख रुपये मुआवजा की मांग को लेकर शव को सड़क पर रखते हुए धरना–प्रदर्शन शुरू कर दिया। एसपी देहात शेखर चंद्र सुयाल ने बताया की परिजनों को उचित कार्रवाई का आश्वासन देते हुए वापस भेज दिया गया है। तहरीर के आधार पर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

श्रीमद् भगवतगीता मानव जीवन की कालजयी मार्गदर्शिका : धामी

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को कुरुक्षेत्र, हरियाणा में अन्तर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि धर्म क्षेत्र कुरुक्षेत्र की पवित्र भूमि पर भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को जो दिव्य उपदेश प्रदान किया, वही श्रीमद् भगवत गीता के रूप में मानवता का शाश्वत ज्ञान बनकर पूरे विश्व को दिशा दिखा रहा है। इस भूमि से धर्म, कर्तव्य, सत्य, निष्काम कर्म और आत्मोन्नति का संदेश सम्पूर्ण मानव समाज में प्रवाहित हुआ।

मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रीमद् भगवतगीता केवल एक धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि मानव जीवन की कालजयी मार्गदर्शिका है। यह एक ऐसा दिव्य प्रकाश पुंज है, जिसमें मनुष्य के आचरण, चिंतन, कर्तव्य, भक्ति, ज्ञान और जीवन व्यवहार का अद्वितीय संकलन है। उन्होंने कहा कि समाज के कल्याण के लिए किया गया कार्य ही सबसे बड़ा धर्म है। यह संदेश उन्हें सदैव प्रेरणा देता है कि व्यक्तिगत लाभ, स्वार्थ और अहंकार से ऊपर उठकर निष्काम भाव से समाज, राष्ट्र और संपूर्ण मानवता की सेवा करना ही जीवन का सबसे बड़ा उद्देश्य होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि आधुनिक युग में भौतिकता की दौड़ में जब मानव जीवन जटिल और तनावपूर्ण हो गया है, ऐसे समय में गीता का संदेश और भी अधिक प्रासांगिक हो गया है। गीता के 18 अध्याय हमें किसी न किसी योग की शिक्षा अवश्य देते हैं। गीता में बताए गए सभी सूत्र जीवन को संतुलित, उद्देश्यपूर्ण और उच्चतम नैतिक आदर्शों के अनुरूप बनाने का शाश्वत मार्गदर्शन देते हैं। गीता की इसी सार्वभौमिकता के कारण आज विश्व के बड़े-बड़े विश्वविद्यालयों में गीता पर शोध हो रहे हैं। आज दुनियाभर में श्रीमद् भगवतगीता को लीडरशिप, मैनेजमेंट और आत्मशांति के ग्रंथ के रूप में स्वीकार किया जा रहा है। गीता से हमें न केवल जीवन जीने का व्यावहारिक ज्ञान मिलता है, बल्कि जीवन की प्रत्येक चुनौती को अवसर में बदलने की प्रेरणा भी प्राप्त होती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि देवभूमि उत्तराखंड संपूर्ण भारत के नागरिकों के लिए आस्था, विश्वास और संस्कृति का पवित्र केंद्र है। देवभूमि के सांस्कृतिक मूल्यों और मूल स्वरूप को बनाए रखने के लिए राज्य सरकार ने राज्य में जबरन धर्मांतरण के खिलाफ कठोर कानून लागू किया है। इस अवसर पर केन्द्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर, अवधेशानन्द जी महाराज, कुमार ऋषि, जैन समाज, स्वामी लोकेश मुनि, बाबा भूपेन्द्र, कपिल पुरी जी महाराज एवं अनेक संतगण मौजूद थे।

सिद्धारमैया और शिवकुमार के बीच हुई बैठक, मुख्यमंत्री बोले- हमारे बीच कोई मतभेद नहीं

बेंगलुरु,कर्नाटक में कांग्रेस सरकार में मुख्यमंत्री पद को लेकर चल रही खींचतान के बीच मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने मुलाकात की है। शिवकुमार नाश्ते के लिए मुख्यमंत्री आवास पहुंचे। उन्होंने कहा कि जो आलाकमान कहेगा, वही करूंगा। आलाकमान के निर्देश पर हो रही इस बैठक में मुख्यमंत्री पद को लेकर हल निकलने की उम्मीद है। बताया जा रहा है कि इस बैठक के बाद शिवकुमार सीधे दिल्ली निकल जाएंगे। दोनों नेताओं ने मुलाकात के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इसमें सिद्धारमैया ने कहा, हमारे बीच अच्छी बात हुई। हमारे बीच कोई मतभेद नहीं है। हमारे बीच भविष्य में भी किसी तरह का मतभेद नहीं होगा। हमने मतभेद दूर करने के लिए मुलाकात की। हम विपक्ष का मजबूती से सामना करेंगे। हमने 2028 की चुनावी मुकाबले को लेकर बातचीत की। वहीं, शिवकुमार ने कहा कि नाश्ता अच्छा था और हमने किसी भी तरह की राजनीतिक चर्चा नहीं की। सूत्रों के हवाले से दावा किया है कि सिद्धारमैया ने शिवकुमार से 2028 के विधानसभा चुनाव के बाद मुख्यमंत्री पद संभालने का आग्रह किया। रिपोर्ट के मुताबिक, दोनों नेता बैठक के दौरान अपने–अपने रुख पर अड़े रहे। मुलाकात के बाद सिद्धारमैया ने लिखा, मैंने उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के साथ नाश्ता किया और थोड़ी बातचीत की। कल सिद्धारमैया ने कहा था, पार्टी आलाकमान ने मुझे और शिवकुमार को बुलाया था। हमें आपस में बातचीत करने को कहा है। बदलाव पर आलाकमान जो बैठक में कुछ हद तक कई मुद्दों पर गतिरोध रहा। अखबार ने बताया कि उसका पालन करेंगे। अगर आलाकमान बुलाएगा तो दिल्ली भी जाएंगे। वहीं, शिवकुमार ने कहा था, मुझे कुछ नहीं चाहिए। मैं किसी जल्दी में नहीं हूं। फैसला मेरी पार्टी करेगी।

मुख्यमंत्री से मुलाकात के बाद शिवकुमार ने सोशल मीडिया पर लिखा, आज सुबह कावेरी रेसिडेंस पर माननीय मुख्यमंत्री श्री सिद्धारमैया से नाश्ते के दौरान मुलाकात की। कर्नाटक की प्राथमिकताओं और आगे के रास्ते पर अच्छी चर्चा हुई। कहेगा, मैं मानूंगा। हम दोनों ने पहले भी कहा है कि पार्टी का जो फैसला होगा, हम

हरिद्वार नजीबाबाद हाईवे पर दो वाहनों की भिड़ंत, चालक की मौत

हरिद्वार। हरिद्वार–नजीबाबाद हाईवे पर शुक्रवार देरात चंडी चौकी और रोपवे के बीच ट्रक और टाटा गाड़ी की टक्कर हो गई। हादसे में टाटा गाड़ी के चालक 30 वर्षीय मोंटी सिंह की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसके साथ सवार क्लीनर गंभीर रूप से घायल हो गया।

घायल को जिला अस्पताल भेजा गया है। मृतक के परिजनों को सूचना दे दी गई है। जानकारी के अनुसार, विकासनगर निवासी सुरजीत सिंह आलू से भरा ट्रक चला रहा था। ट्रक सामने से आ रही टाटा गाड़ी से टकरा गया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों वाहनों के अगले हिस्से बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए और टाटा गाड़ी का चालक केबिन में फंस गया। पुलिस टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद मृतक को बाहर निकाला गया और क्लीनर को जिला चिकित्सालय भेजा गया। हादसे के बाद ट्रक चालक फरार बताया जा रहा है, जिसकी तलाश जारी है।

दिल्ली ब्लास्ट मामले के चार आरोपियों की एनआईए हिरासत सात दिन और बढ़ी

नई दिल्ली,। दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट ने लालकिला ब्लास्ट मामले के चार आरोपियों की एनआईए हिरासत सात दिनों के लिए और बढ़ा दिया. चारों आरोपियों की एनआईए हिरासत शनिवार को खत्म हो रही थी, जिसके बाद उन्हें कोर्ट में पेश किया गया था. 20 नवंबर को कोर्ट ने चारो को आज तक की एनआईए हिरासत में भेजा था.

कोर्ट ने जिन आरोपियों की एनआईए हिरासत बढ़ाने का आदेश दिया, उनमें पुलवामा के डॉ मुजम्मिल शकील गनई, जम्मू–कश्मीर के डॉ आदिल अहमद रतहर, लखनऊ के डॉ शाहीन सईद और जम्मू–कश्मीर के मुफ्ती इरफान वागे शामिल हैं. इसके पहले कोर्ट ने 27 नवंबर को मामले के आरोपी और आत्मघाती हमलावर डॉ. उमर नबी के सहयोगी जसीर बिलाल वानी उर्फ दानिश की एनआईए हिरासत सात दिनों के लिए बढ़ाया था. एनआईए के मुताबिक, दानिश ने ड्रोन में तकनीकी बदलाव किए और कार बम विस्फोट से पहले रॉकेट तैयार करने की कोशिश की. एनआईए के मुताबिक, दानिश उसने उमर उन नबी के साथ मिलकर पूरी साजिश को अंजाम देने में अहम भूमिका निभाई थी.

एनआईए के मुताबिक, राजनीति विज्ञान में स्नातक दानिश को आत्मघाती हमलावर बनाने के लिए उमर ने ब्रेनवाश किया. वह अक्टूबर 2024 में कुलगाम की एक मस्जिद में डॉक्टर मॉड्यूल से मिलने को तैयार हुआ, जहां से उसे हरियाणा के फरीदाबाद में अल फलाह विश्वविद्यालय में रहने के लिए ले जाया गया. दानिश को पहले जम्मू–कश्मीर पुलिस ने हिरासत में लिया था और पूछताछ में उसने खुलासा किया था कि मॉड्यूल के अन्य लोग उसे प्रतिबंधित जैश–ए–मोहम्मद के लिए ओवर–ग्राउंड वर्कर (ओजीडब्ल्यू) बनाना चाहते थे, जबकि उमर कई महीनों से उसका ब्रेनवॉश कर आत्मघाती हमलावर बनने के लिए तैयार कर रहा था.

एनआईए के मुताबिक, उमर की यह कोशिश इस साल अप्रैल में उस समय नाकाम हो गई जब दानिश ने अपनी खराब आर्थिक स्थिति और इस्लाम में आत्महत्या को गलत मानने का हवाला देते हुए इससे इनकार कर दिया था. इससे पहले कोर्ट ने इस मामले में गिरफ्तार आरोपी आमिर रशीद अली को दस दिनों की एनआईए हिरासत में भेज दिया था. आमिर रशीद अली को एनआईए ने 16 नवंबर को गिरफ्तार किया था. बता दें कि लालकिला पर ब्लास्ट के मामले में एनआईए की ओर से आमिर की पहली गिरफ्तारी थी. आमिर रशीद अली पर आरोप है कि उसने मुख्य आरोपी उमर को कार लाने में मदद की.

नेशनल हेराल्ड मामले में सोनिया-राहुल को राहत

ईडी की चार्जशीट पर फैसला टला

नई दिल्ली,दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट ने सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ नेशनल हेराल्ड से जुड़े मनी लाउंड्रिंग के मामले में ईडी की ओर से दाखिल चार्जशीट पर संज्ञान लेने पर फैसला टाल दिया है. स्पेशल जज विशाल गोगने ने अब 16 दिसंबर को फैसला सुनाने का आदेश दिया. ईडी ने 6 सितंबर को सुब्रमण्यम स्वामी की ओर से 4 जुलाई 2014 को ईडी के पास दर्ज कराई गयी शिकायत की प्रति और 30 जून 2021 के एक दस्तावेज की प्रति दाखिल किया था. सुनवाई के दौरान ईडी ने कहा था कि जिन लोगों ने कांग्रेस को दान दिया उनके साथ धोखाधड़ी की गयी. ईडी ने कहा कि जिन लोगों ने दान दिया उनमें से कुछ को टिकट दिए गए. आरोपपत्र में सोनिया गांधी, राहुल गांधी, सैम पित्रोदा, सुमन दुबे और अन्य सहित कई वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं के नाम पीएमएलए के तहत दर्ज हैं। राजू ने गांधी परिवार की उस दलील का विरोध किया कि एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) पर उनका कोई नियंत्रण नहीं था. उन्होंने कहा कि एजेएल ही मूल रुप से नेशनल हेराल्ड की प्रकाशक थी. इस मामले में राहुल गांधी की ओर से पेश वरिष्ठ वकील आरएस चीमा ने कहा था कि कांग्रेस ने एजेएल को बेचने की कोशिश नहीं की थी बल्कि वो इस संस्था को बचाना चाहती थी, क्योंकि वो स्वतंत्रता आंदोलन का हिस्सा थी. चीमा ने कहा था कि ईडी एजेएल का मेमोरेंडम ऑफ एसोसिएशन क्यों नहीं दिखा रही है. एजेएल की स्थापना जवाहर लाल नेहरू, जेबी कृपलानी, रफी अहमद किदवई और दूसरे कांग्रेस नेताओं ने 1937 में की थी. चीमा ने कहा था कि एजेएल के मेमोरेंडम ऑफ एसोसिएशन में कहा गया है कि उसकी सभी नीतियां कांग्रेस की होंगी. सोनिया गांधी की ओर से पेश वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा था कि ईडी ने एक आश्चर्यजनक और अप्रत्याशित मामला बनाया. उन्होंने कहा था कि ईडी ने आश्चर्यजनक से भी ज्यादा मामला बनाया है. ये मनी लाउंड्रिंग का ऐसा मामला है जिसमें संपत्ति का कोई जिक्र नहीं है. सिंघवी ने कहा था कि यंग इंडियन ने पूरी कार्रवाई एसोसिएटेड जनरल लिमिटेड को कर्ज मुक्त करने के लिए किया. उन्होंने कहा था कि हर कंपनी अपने को कर्ज मुक्त करने के लिए कानून के मुताबिक कदम उठाती है. सिंघवी ने कहा था कि ईडी ने सालों तक कुछ नहीं किया और किसी निजी शिकायत को आधार बनाकर कार्रवाई शुरु की. कोर्ट ने 2 मई को इस मामले में सोनिया गांधी, राहुल गांधी समेत सात आरोपियों को नोटिस जारी किया था.

आबादी क्षेत्र में घुसा विशालकाय मगरमच्छ

रुद्रपुर। इस्लामनगर वार्ड संख्या आठ में शुक्रवार देर रात आबादी क्षेत्र के पास एक विशालकाय मगरमच्छ घुस आया। इसकी सूचना मिलते ही वार्ड सभासद, ग्रामीणों और वन विभाग की टीम ने संयुक्त रूप से रेस्क्यू कर मगरमच्छ को पकड़ा। बाद में उसे टेलीफाल नदी में छोड़ दिया गया। शुक्रवार देर रात वार्डवासियों ने सभासद शारिक हुसैन को नाले के किनारे मगरमच्छ दिखने की जानकारी दी। सूचना पर पहुंचे सभासद ने ग्रामीणों की मदद से खतरा टालते हुए मगरमच्छ के मुंह और पैरों को बांध दिया। शनिवार सुबह सभासद की सूचना पर रेंज अधिकारी महेश चन्द्र जोशी ने वन दरोगा उत्तम सिंह राणा के नेतृत्व में टीम भेजी। टीम ने रेस्क्यू अभियान चलाकर मगरमच्छ को सुरक्षित काबू में किया। मगरमच्छ काफी बड़ा होने के कारण ग्रामीणों की सहायता से उसे वाहन में डाला गया।

टमाटरों से लदा पिकअप खाई में गिरा, एक की मौत, दो घायल

विकासनगर। कोटी–इच्छाड़ी–मीनस मोटर मार्ग पर शुक्रवार देर रात टमाटर से भरा पिकअप छिबरो पावर हाउस के पास खाई में गिर गया। दुर्घटना में चालक की मौत हो गई। जबकि, दो युवक घायल हो गए। मृतक का पोस्टमार्टम कराकर पुलिस ने शव परिजनों को सौंप दिया है। जबकि, घायलों का इलाज विकासनगर उपजिला अस्पताल में चल रहा है। कालसी थानाध्यक्ष दीपक धारीवाल ने बताया कि शनिवार सुबह पौने आठ बजे एक व्यक्ति ने उन्हें सूचना दी कि छिबरो पावर हाउस के पास एक पिकअप खाई में गिरी हुई है। जिससे लोगों के चिल्लाने की आवाज आ रही है। सूचना पर पुलिस और एसडीआरएफ मौके पर पहुंची और रेस्क्यू अभियान चलाया। जिसके बाद स्थानीय लोगों की मदद से टीम ने मृतक और घायलों को खाई से निकाला। मृतक की पहचान गोविंद (28 वर्ष) पुत्र जवाहर ग्राम बुराईला, घायलों की पहचान सुनील (28 वर्ष) पुत्र रमेश निवासी ग्राम मिण्डाल और नरेश (28 वर्ष) पुत्र फकीरा निवासी ग्राम बाईला के रूप में हुई। घायलों को विकासनगर उपजिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जबकि, मृतक का पंचायतनामा और पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है। दुर्घटना के कारणों की जांच की रहा रही है।

भारत की परंपरा भाईचारे में निहित है, विवाद हमारे स्वभाव में नहीं: आरएसएस चीफ भागवत

मुंबई, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने शनिवार को कहा कि विवादों में पड़ना भारत के स्वभाव में नहीं है और देश की परंपरा ने हमेशा भाईचारे और सामूहिक सद्भाव पर जोर दिया है. नागपुर में एक कार्यक्रम में संघ प्रमुख ने कहा कि भारत की राष्ट्रवाद की अवधारणा पश्चिमी सोच से पूरी तरह अलग है. नागपुर में एक कार्यक्रम में मोहन भागवत ने कहा कि भारत की राष्ट्रवाद की अवधारणा पश्चिमी सोच से पूरी तरह अलग है. उन्होंने कहा, हमारी किसी से कोई बहस नहीं होती. हम झगड़ों से दूर रहते हैं. झगड़ा करना हमारे देश के स्वभाव में नहीं है. साथ रहना और भाईचारा बढ़ाना हमारी परंपरा है. उन्होंने यह भी कहा कि दुनिया के दूसरे हिस्से टकराव वाले हालात में ही बने हैं. उन्होंने कहा, एक बार कोई राय बन जाने के बाद उस विचार के अलावा कुछ भी मंजूर नहीं होता. वे दूसरे विचारों के लिए दरवाजे बंद कर देते हैं और उसे इज्म कहना शुरू कर देते हैं. भागवत ने यह भी कहा कि भारत की राष्ट्र की अवधारणा पश्चिमी व्याख्याओं से मूल रूप से अलग है. उन्होंने जोर देकर कहा, वे राष्ट्र के बारे में हमारे विचार नहीं समझते, इसलिए उन्होंने इसे राष्ट्रवाद कहना शुरू कर दिया. राष्ट्र का हमारा कॉन्सेप्ट, राष्ट्र के पश्चिमी विचार से अलग है. हमारे बीच इस बारे में कोई मतभेद नहीं है कि यह राष्ट्र है या नहीं – यह एक राष्ट्र है और यह पुराने समय से मौजूद है. उन्होंने दावा किया, हम राष्ट्रीयता शब्द का इस्तेमाल करते हैं, राष्ट्रवाद का नहीं. देश पर बहुत ज्यादा गर्व की वजह से दो वर्ल्ड वॉर हुए. इसीलिए कुछ लोग राष्ट्रवाद शब्द से डरते हैं. आरएसएस प्रमुख ने कहा कि भारत का राष्ट्रवाद घमंड या गर्व से पैदा नहीं हुआ है, बल्कि लोगों के बीच गहरे जुड़ाव और प्रकृति के साथ उनके सह–अस्तित्व से पैदा हुआ है.

गंगोलीहाट की युवती पंजाब से बरामद

पिथौरागढ़। गंगोलीहाट की युवती को पुलिस ने सकुशल बरामद कर लिया है। 3 नवंबर को गंगोलीहाट क्षेत्र में एक व्यक्ति ने पुलिस को तहरीर दी कि उनकी 19 वर्षीय बेटी घर से बिना बताए कहीं चली गई है,काफी खोजबीन के बाद बेटी का पता नहीं चल पा रहा है। एसपी के निर्देश पर गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज की गई। प्रभारी निरीक्षक कैलाश चंद्र जोशी ने नेतृत्व में टीम गठित कर छानबीन की। सर्विलांस सेल की मदद से युवती की लोकेशन पंजाब में मिली। पुलिस ने पंजाब पहुंचकर युवती को सकुशल बरामद कर दिया है। जांच के दौरान पुलिस को युवती ने स्थानीय युवक के साथ विवाह करने की बात बताई। टीम में अपर उपनिरीक्षक नरेन्द्र पाठक, सर्विलांस सेल के हेम चंद्र सिंह,कमल तुलेरा शामिल रहे।

चक्रवाती तूफान दित्वाह आज आंध्र प्रदेश–तमिलनाडु तट से टकराएगा

रेड अलर्ट जारी, स्कूल बंद

नईदिल्ली,। बंगाल की खाड़ी में उठा चक्रवाती तूफान दित्वाह कल यानी 30 नवंबर को तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश के तटीय इलाकों से टकरा सकता है। इस दौरान तटीय इलाकों में भारी बारिश होने और तेज हवाएं चलने की आशंका है। इसे देखते हुए तमिलनाडु के कुछ हिस्सों में रेड अलर्ट घोषित किया गया है। पुडुचेरी, केरल और तेलंगाना के कुछ हिस्सों में भी तूफान का असर देखे जाने की आशंका है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने चेतावनी दी है कि फिलहाल चक्रवात श्रीलंका और दक्षिण–पश्चिम बंगाल की खाड़ी के करीब मंडरा रहा है और इसके अधिक तीव्र होने की आशंका है। आईएमडी ने कहा, चक्रवाती तूफान दित्वाह उत्तर–उत्तर–पश्चिम की ओर बढ़ गया है। इसके 30 नवंबर की सुबह तक उत्तरी तमिलनाडु, पुडुचेरी और उससे सटे दक्षिण आंध्र प्रदेश के तटों के पास पहुंचने की उम्मीद है। इसके बाद तूफान में थोड़ी तीव्रता आ सकती है। तमिलनाडु के कुड्डालोर, मयिलादुथुराई, विल्लुपुरम और चेंगलपट्टू जिले रेड अलर्ट पर हैं। पुदुक्कोट्टई, तंजावुर, तिरुवरूर, नागपट्टिनम, अरियालुर, पेरम्बलुर, तिरुचिरापल्ली, सलेम, कल्लाकुरिची, तिरुवन्नामलाई, चेन्नई, कांचीपुरम, तिरुवल्लूर और रानीपेट में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। चेन्नई हवाई अड्डे पर भी 29 नवंबर को निर्धारित कई उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। दक्षिण रेलवे ने बताया कि 28 और 29 नवंबर को कुछ ट्रेनों को रद्द, कुछ को आंशिक रद्द तो कुछ को निर्धारित स्टेशन से पहले ही रोका जाएगा।

रात में दांत दर्द से हो रही है परेशानी? इन 5 घरेलू नुस्खों को आजमाएं

दांतों में दर्द होने पर व्यक्ति को कई परेशानियों का सामना करना पड़ जाता है, खासकर अगर यह रात में हो तो नींद भी हराम हो जाती है। रात के समय दांत दर्द का कारण कुछ भी हो सकता है, जैसे कैविटी, मसूड़ों में संक्रमण या दांत का टूटना आदि। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे घरेलू नुस्खे बताते हैं, जिन्हें आजमाकर आप रात में होने वाले दांत के दर्द से राहत पा सकते हैं।

लौंग का तेल लगाएं

लौंग का तेल दांत के दर्द को कम करने में मदद कर सकता है। इसमें मौजूद खास गुण सूजन को कम करते हैं और दर्द से राहत दिलाते हैं। इसके लिए सबसे पहले रूई के टुकड़े पर कुछ बूंदें लौंग का तेल डालें, फिर इसे दर्द वाले दांत पर लगाकर कुछ मिनट छोड़ दें। इसके बाद मुंह को पानी से धो लें। इस प्रक्रिया को दिन में दो बार दोहराएं।

नमक और पानी का घोल बनाकर करें गरारे

नमक और पानी का घोल एक प्राकृतिक उपाय की तरह काम करता है, जो बैक्टीरिया को खत्म करने में मदद कर सकता है। इसके लिए एक गिलास गर्म पानी में एक चम्मच नमक मिलाकर घोल तैयार करें, फिर इससे गरारे करें। इससे सूजन कम होगी और दर्द में राहत मिलेगी। इसे दिन में दो बार इस्तेमाल करें। यह तरीका दांत की सफाई के साथ-साथ मसूड़ों को भी मजबूत बनाता है और बैक्टीरिया के प्रभाव को कम करता है।

अदरक का रस लगाएं

अदरक का रस प्राकृतिक दर्द निवारक की तरह काम करता है। इसमें खास गुण होते हैं, जो सूजन कम करने और बैक्टीरिया को खत्म करने में मदद करते हैं। इसके लिए अदरक को कद्दूकस करके उसका रस निकाल लें, फिर इसे दर्द वाले दांत पर लगाकर कुछ मिनट छोड़ दें। इसके बाद मुंह को पानी से धो लें। इसे दिन में दो बार दोहराएं। यह तरीका दांत की सफाई के साथ-साथ मसूड़ों को भी मजबूत बनाता है।

एक महीने में कुछ किलो कम हो जाएगा वजन, इन 5 बातों का रखें ध्यान

आजकल हर कोई फिट और स्वस्थ रहना चाहता है। इसके लिए सबसे जरूरी है वजन कम करना। अगर आप भी अपने वजन को लेकर परेशान हैं और एक महीने में कुछ किलो वजन घटाना चाहते हैं तो यह लेख आपके लिए है। इसमें हम आपको कुछ आसान और असरदार तरीके बताएंगे, जिनसे आप अपने लक्ष्य को आसानी से पा सकते हैं। इन तरीकों से आप न केवल वजन घटा सकते हैं बल्कि सेहत भी बेहतर कर सकते हैं।

खाने-पीने पर दें ध्यान

वजन घटाने के लिए सबसे पहले खाने-पीने पर ध्यान देना जरूरी है। बाहर के खाने, मीठे और तैलीय चीजों का सेवन कम करें। इसके बजाय फल, सब्जियां, दालें और साबुत अनाज खाएं। पानी का सेवन बढ़ाएं ताकि आपका शरीर पानी की कमी से बच सके। इसके अलावा अपने खाने को संतुलित और जरूरी पोषक तत्वों से भरपूर रखें ताकि आपको जरूरी विटामिन और मिनरल्स मिल सकें।

रोजाना करें एक्सरसाइज

वजन घटाने के लिए रोजाना एक्सरसाइज करना बहुत जरूरी है। सुबह-सुबह टहलना, दौड़ना या फिर जिम जाकर वजन उठाना अच्छा रहता है। अगर जिम नहीं जा सकते तो घर पर ही योग या एरोबिक्स करें। इसके अलावा साइकिल चलाना, रस्सी कूदना या फिर कोई खेल खेलना भी फायदेमंद हो सकता है। रोजाना कम से कम 30 मिनट तक एक्सरसाइज करें ताकि आपकी कैलोरी बर्न हो सके और शरीर सक्रिय रहे।

पूरी नींद लें

अच्छी नींद लेना भी वजन घटाने में मदद करता है। रात को कम से कम 7-8 घंटे की नींद लेनी चाहिए ताकि शरीर पूरी तरह आराम कर सके। अच्छी नींद लेने से मानसिक तनाव कम होता है जिससे आप सही निर्णय ले पाते हैं और अस्वास्थ्यकर खाने से बचते हैं। इसके अलावा अच्छी नींद लेने से आपका पाचन भी बेहतर होता है जिससे कैलोरी बर्न करने की क्षमता बढ़ती है। इसलिए नियमित रूप से पूरी नींद लेना जरूरी है।

पानी का सेवन बढ़ाएं

पानी का सेवन बढ़ाना भी वजन घटाने में अहम भूमिका निभाता है। दिनभर में कम से कम 8-10 गिलास पानी पीना चाहिए ताकि शरीर हाइड्रेटेड रहे और शरीर से गंदगी बाहर निकल सके। पानी पीने से पेट भरा रहता है जिससे भूख कम लगती है और आप ज्यादा खाने से बचते हैं। इसके अलावा पानी पीने से पाचन भी बेहतर रहता है जिससे कैलोरी बर्न करने की क्षमता बढ़ती है।

तनाव मुक्त रहें

तनाव भी वजन बढ़ाने का बड़ा कारण होता है इसलिए खुद को तनाव मुक्त रखना बहुत जरूरी है। ध्यान लगाएं या फिर कोई ऐसा शौक अपनाएं जिससे आपका मन खुश रहे जैसे गाना गाना, चित्रकारी करना या किताबें पढ़ना आदि। इन सभी तरीकों से आप आसानी से एक महीने में 5 किलो वजन घटा सकते हैं।

नीतीश के सामने सबसे बड़ी चुनौती राजस्व

चुनाव नतीजों में एनडीए के जीते विधायकों की बड़ी संख्या को छोड़ दें तो कुछ भी चौंकाने वाला नहीं है। चुनाव नतीजे और सरकार का गठन वैसे ही हुआ है, जिसकी उम्मीद की जा रही थी। चूंकि यह लगातार पांचवीं बार नीतीश कुमार की निरंतरता के लिए दिया गया जनादेश है इसलिए नई सरकार को कोई हनीमून पीरियड भी नहीं दिया जा सकता है। इसका अर्थ है कि पहले दिन से सरकार को अपने किए गए वादों को पूरा करने के लिए काम करना होगा और पहले दिन से हिसाब मांगा जाएगा। ध्यान रहे सरकार के सामने कम से कम अभी राजनीतिक चुनौती नहीं है। हालांकि आगे इसके आसार हैं। भारतीय जनता पार्टी की ओर से जिस समय अपना मुख्यमंत्री बनाने का प्रयास होगा उस समय चुनौती आएगी। लेकिन ऐसा लग रहा है कि उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव तक ऐसा नहीं होगा। सरकार के सामने कोई प्रशासनिक चुनौती भी नहीं है क्योंकि नौकरशाही वही है, जो पिछले 20 साल से नीतीश कुमार के साथ काम कर रही है। उनकी पसंद के अधिकारी सभी महत्वपूर्ण पदों पर बैठे हैं और उनको पता है कि सरकार को किस एजेंडे को प्राथमिकता में रख कर काम करना है। इस बार चुनाव में भाजपा और जनता दल यू के बीच पहले से बेहतर तालमेल दिखा है। अब यह देखना होगा कि शासन चलाने में दोनों का तालमेल वैसा ही रहता है या नहीं?

अजीत द्विवेदी

क्रिकेट के खेल की तरह राजनीति को भी अनिश्चितताओं का खेल माना जाता है। लेकिन नीतीश कुमार ने इसको भी इतनी प्रेडिक्टेबल बना दिया है कि जिसको राजनीति की ज्यादा समझ नहीं होती है वह भी कहता है कि बिहार के मुख्यमंत्री तो नीतीश कुमार ही बनेंगे। इसके बाद मजाकिया अंदाज में यह भी कहा जाता है कि चाहे जिसके साथ बनाएं लेकिन सरकार नीतीश ही बनाएंगे। हालांकि अब आगे शायद ऐसा नहीं हो पाए क्योंकि विधानसभा में संख्या का हिसाब इस बार कुछ अलग है।

बहरहाल, चुनाव नतीजों में एनडीए के जीते विधायकों की बड़ी संख्या को छोड़ दें तो कुछ भी चौंकाने वाला नहीं है। चुनाव नतीजे और सरकार का गठन वैसे ही हुआ है, जिसकी उम्मीद की जा रही थी। चूंकि यह लगातार पांचवीं बार नीतीश कुमार की निरंतरता के लिए दिया गया जनादेश है इसलिए नई सरकार को कोई हनीमून पीरियड भी नहीं दिया जा सकता है। इसका अर्थ है कि पहले दिन से सरकार को अपने किए गए वादों को पूरा करने के लिए काम करना होगा और पहले दिन से हिसाब मांगा जाएगा।

ध्यान रहे सरकार के सामने कम से कम अभी राजनीतिक चुनौती नहीं है। हालांकि आगे इसके आसार हैं। भारतीय जनता पार्टी की ओर से जिस समय अपना मुख्यमंत्री बनाने का प्रयास होगा उस समय चुनौती आएगी। लेकिन ऐसा लग रहा है कि उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव तक ऐसा नहीं होगा। सरकार के सामने कोई प्रशासनिक चुनौती भी नहीं है क्योंकि नौकरशाही वही है, जो पिछले 20 साल से नीतीश कुमार के साथ काम कर रही है। उनकी पसंद के अधिकारी सभी महत्वपूर्ण पदों पर बैठे हैं और उनको पता है कि सरकार को किस एजेंडे को प्राथमिकता में रख कर काम करना है। इस बार चुनाव में भाजपा और जनता दल यू के बीच पहले से बेहतर तालमेल दिखा है। अब यह देखना होगा कि शासन चलाने में दोनों का तालमेल वैसा ही रहता है या नहीं?

माना जा रहा है कि इस बार भारतीय जनता पार्टी सरकार पर पहले से ज्यादा नियंत्रण रखने का प्रयास करेगी। इसके तीन कारण हैं। एक कारण तो यह है कि नीतीश कुमार की सेहत पहले जैसी नहीं है और वे खुद रोजमर्रा के कामकाज को संभालने में ज्यादा दिलचस्पी नहीं लेते हैं। दूसरा कारण यह है कि भाजपा को बहुत ज्यादा सीटें मिली हैं। वह बिहार विधानसभा की सबसे बड़ी पार्टी बनी है, ऐसा पहली बार हुआ है। तीसरा कारण यह है कि बिहार में विकास की और लोक कल्याण की योजनाओं के लिए केंद्र सरकार से ज्यादा आवंटन मिलने की संभावना है, जिसके लिए बेहतर तालमेल की आवश्यकता है।

फिर सवाल है कि सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती क्या है? सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती राजस्व की है। चुनाव से पहले सरकार ने जो वादे किए हैं उन वादों को पूरा करने के लिए बड़े राजस्व की जरुरत है। यहां यह ध्यान रखने की जरुरत है कि पहले नीतीश का विपक्ष लालू प्रसाद या तेजस्वी यादव होते थे, जो सरकार के ऊपर ज्यादा हमले नहीं करते थे क्योंकि उनको उम्मीद लगी रहती थी कि कब नीतीश के साथ सरकार बनाने का मौका मिल जाए!

दूसरे वे हमला करते थे तो लोग उनसे उनके राज के बारे में पूछने लगते थे। लेकिन अब प्रशांत किशोर के रूप में बिहार में एक सजग विपक्ष मौजूद है, जिसके ऊपर पहले के शासन का कोई बैगेज नहीं है। उन्होंने कहा भी है कि सरकार की योजनाओं और वादों को पूरा करने पर उनकी नजर रहेगी। वे इसमें सरकार की विफलता का मुद्दा उठाएंगे। सरकार की शपथ के दिन महात्मा गांधी के भितिहरवा आश्रम में एक दिन का उपवास करके उन्होंने अपने इरादे बता दिए हैं। सो, सरकार को गंभीर हो जाना होगा।

अभी एक करोड़ 51 लाख महिलाओं के खाते में 10-10 हजार रुपए गए हैं। बचे हुई करीब सवा करोड़ महिलाओं के खाते में यह रकम जानी है। उसके बाद लाखों महिलाओं को दो दो लाख रुपए देने का भी वादा है। इसके लिए पैसे कहां से आएंगे? ऐसे ही एक करोड़ नौकरियों और रोजगार का वादा है, जिसके लिए लाखों सरकारी पद सृजित करने होंगे। सरकार ने उद्योग में एक लाख करोड़ रुपए के निवेश का वादा किया है। नए स्कूल, कॉलेज और अस्पताल बनवाने के वादे हैं।

125 यूनिट फ्री बिजली के बाद हर घर पर सोलर पैनल लगवाने का वादा है। सवाल है कि सरकार के पास राजस्व बढ़ाने का क्या तरीका है? क्या केंद्र के अनुदान और देसी, विदेशी संस्थाओं के कर्ज के भरोसे इतने वादे किए गए हैं? ध्यान रहे बिहार पर पहले से ही बहुत ज्यादा कर्ज है और हर दिन बिहार 63 करोड़ रुपया कर्ज के ब्याज के तौर पर चुका रहा है। सो, नया कर्ज बहुत सोच समझ कर लेना होगा। एक सवाल यह भी है कि शराबबंदी का क्या होगा? इससे सालाना 20 से 25 हजार करोड़ रुपए के राजस्व का घाटा हो रहा है। प्रशांत किशोर ने शराबबंदी खत्म करने का वादा किया था। यह नीतीश कुमार की लीगेसी है, जिसे देखना है कि कितने समय तक चलाया जाता है?

यह सही है कि सरकार के सामने मुख्य रूप से आर्थिक चुनौती है और कोई राजनीतिक या प्रशासनिक चुनौती नहीं है। लेकिन एक बात हमेशा ध्यान में रखने की है कि जब इतना बड़ा बहुमत मिलता है तो उसके बाद अनदेखे राजनीतिक संकट खड़े होते हैं। यह भारत का और बिहार का भी इतिहास रहा है। केंद्र में 415 के बहुमत के साथ राजीव गांधी की सरकार बनी थी लेकिन उसके बाद खुद राजीव गांधी का और कांग्रेस का क्या हुआ यह सबको पता है। उसी तरह बिहार में 2010 के विधानसभा चुनाव में एनडीए को 206 सीटों का बहुमत मिला था। जनता दल यू को 115 और भाजपा को 91 सीटें मिली थीं।

लेकिन तीन साल के बाद ही हालात बदल गए थे। गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी को लोकसभा चुनाव की कमान सौंपे जाने के विरोध में नीतीश कुमार ने भाजपा से नाता तोड़ लिया था और दो साल तक अकेले सरकार चलाई थी। उसके बाद उन्होंने राजद के साथ तालमेल करके 2015 का विधानसभा चुनाव लड़ा, जिसमें चार पार्टियों से तालमेल के बावजूद भाजपा 91 से घट कर 53 पर आ गई। 2010 में भी ऐसी कोई संभावना नहीं दिख रही थी कि नीतीश भाजपा को छोड़ेंगे और अब भी कोई आशंका नहीं दिख रही है कि दोनों पार्टियों के बीच कोई ऐसा घटनाक्रम दोहराया जा सकता है। लेकिन भविष्य किसने देखा है और राजनीति तो वैसे भी हमेशा संभावनाओं से भरी होती है।

भाजपा के सामने विपक्ष एक पॉप-अप दुकान

श्रुति व्यास

कितना हैरानी भरा है यह! आप चाहें तो सिर पकड़ लें, मन टूटता महसूस करें, चिंता में घुल जाएँ, पर सच दो टूक, अडिग खड़ा है। फिर साबित हुआ है कि लोकसभा चुनाव में झटके के बाद राज्यों में भाजपा का लगातार जीतते जाना केवल संगठन की वजह से नहीं बल्कि प्रबंधकीय कौशल से है। और इसके लिए भाजपा को नहीं बल्कि नरेंद्र मोदी व अमित शाह को ही श्रेय देना होगा। यह जोड़ी अबाध है। महाराष्ट्र, हरियाणा, दिल्ली और अब बिहार-हर जगह ऐसी सहजता के साथ विजय पाई है कि विपक्ष फिलहाल को प्रासंगिकता के लिए भी हांफता हुआ है। विधानसभाओं में विपक्ष अब किसी भूत-सा दिखाई देता है। उपस्थिति केसिर्फ नाम, सिद्धांत में जबकि प्रभाव में लगभग अनुपस्थित। भाजपा की रणनीति इतनी सूक्ष्म, इतनी परतदार, कि आलोचना भी निरर्थक है, भीतर की ओर धंसती हुई है।

कल सुबह मुझे एक फोन आया। गहरी झुँझलाहट से भरी आवाज़ में लगभग कराहते पूछा – विपक्ष ने बिहार चुनाव का बहिष्कार ही क्यों नहीं कर दिया? आखिर तूफ़ान में बिना आसरा, बिना रणनीति और बिना कथा उतरने का मतलब क्या था? यह कटु व चौंकाने वाली सोच है। पर ऐसे ख्याल, ऐसी भावना फैल रही है। अब विमर्श यह नहीं पूछ रहा कि भाजपा इतनी निर्णायक जीत कैसे हासिल कर रही है? प्रश्न अब कहीं अधिक ठंडा, अधिक चुभता हुआ है, विपक्ष क्यों हैरान कर देने वाली अयोग्यता बार-बार दोहरा रहा है? जो सवाल कल तक भाजपा की चुनावी मशीनरी पर होते थे, आज विपक्ष की मूर्खताओं पर पूछे जा रहे हैं, यह कि आने वाला तूफान दिखा क्यों नहीं? यही वह मोड़ है जहाँ देश का मनोभाव लड़खड़ाने लगा है। यह केवल भय नहीं। यह पूरी निराशा भी नहीं। यह कुछ और गहरा है: ऐसा अहसास कि मुकाबला टॉस से पहले ही खत्म हो चुका है। कि संस्थाएँ टिक नहीं पाएँगी, नागरिक थक कर समायोजित हो जाएँगे कि आक्रोश छह घंटे ट्रेंड करेगा और रात के खाने से पहले गायब हो जाएगा। क्योंकि भाजपा, चाहे आप उसकी प्रशंसा करें या आलोचना, वर्चस्वता को स्वाभाविक दिखाने की कला में निपुण हो चुकी है।

दुख की बात यह है कि विपक्ष ने प्रयास करना ही लगभग बंद कर दिया है। ध्यान रहें: यह केवल संख्या का खेल नहीं। यह विचारधाराओं का टकराव भी नहीं। यह सत्ता की भौतिकी है, जिसे भाजपा अस्थि-मज्जा तक समझती है। वे चुनाव लड़ते नहीं, इंजीनियर करती हैं। वे मौसमों की नहीं, युगों की तैयारी में लगे हैं। और तब यह गहरा सवाल सामने आता है-जब जीत ही लोकतंत्र की अकेली भाषा बन जाए, और विपक्ष बोलना ही भूल जाए, तब लोकतंत्र का क्या बचता है? पिछले ग्यारह वर्षों में विपक्ष समझ ही नहीं पाया कि मोदी और शाह चुनावों से रचे-बसे हैं। प्रधानमंत्री मोदी के लिए चुनाव दृश्यांकन हैं-नारे, मंच, और वह अभेद्य कवच जो जीत उन्हें पहनाती है। शाह के लिए चुनाव प्रदर्शन नहीं, वास्तुकला हैं, नापतौल, गणित, ठंडा, तेज, अडिग। यदि मोदी मिथक हैं, तो शाह गणना हैं। वहीं विपक्ष चुनाव ऐसे लड़ता है जैसे मौसम हों, आते-जाते, अस्थायी। भाजपा की 24&7 राजनीतिक मशीनरी के सामने विपक्ष एक पॉप-अप दुकान है। बिहार को ही देख लें। तेजस्वी यादव ने 2024 लोकसभा में खूब शोर मचाया। जिलों में दौरे, मुसलमान-यादव आधार को सक्रिय करने की कोशिश, और कुछ हद तक एक युवा, तेजतर्रार विपक्षी चेहरे की झलक। पर नतीजे सामने आते ही और वोट-टू-सीट रूपांतरण होते ही गति थम गई। तेजस्वी भी। बाद के महीनों में वे कम दिखाई दिए। राजनीति सड़कों से हटकर उनकी सक्रियता पारिवारिक खटास, भाइयों के झगड़े और संगठनात्मक ढिलाई में बदल गई। वे न युवा बिहार के प्रतीक बने, न ही नीतीश कुमार का विकल्प। और जब 2025 विधानसभा चुनाव के ठीक पहले वे अवतरित हुए-राघोपुर, सभाएँ, भाषण, वादे-तब तक बहुत देर हो चुकी थी। लापरवाही जमीन पर गुल खिला चुकी थी। भाजपा गठबंधन पहले ही जमीन कस चुका था। यही विपक्ष का गहरा संकट है-वे भाजपा से अधिक विपक्ष अपने भीतर नाटक रचता हैं। मोदी के तमाशे का प्रतिपक्ष गढ़ने के बजाय वे खुद अपना तमाशा बन जाते हैं। प्रेस कॉन्फ्रेंस आत्मस्वीकारोक्ति बन जाती हैं, अहंकार विचारधारा से ऊँची आवाज़ में टकराता है, और कथा का एकमात्र सूत्र बचता है-ढहना, फ्लॉप होना। वे सरकार का उतना विरोध नहीं करते, जितना एक-दूसरे का। यह वक्त कहानी माँगता है जबकि वे कोरियोग्राफी देते हैं। भाजपा जहाँ सत्ता का प्रदर्शन करती है, विपक्ष विघटन और खींचतान का। सो विपक्ष का सार है नेता बहुत मगर नेतृत्व बहुत कम। ताज के दावेदार अनेक, पर दृष्टि का कालखंड किसी के पास नहीं। इसलिए यह क्षण केवल भाजपा की उपलब्धि का नहीं, विपक्ष की निष्क्रियता, उसकी असल हकीकत का भी है। यदि 2014 में देश ने मोदी में आशा देखी थी, तो 2024 की झिलमिल सेकंडभर की उपलब्धियों में एक दूसरी संभावना भी दिखी थी-एक आशा के भीतर दूसरी आशा। पर आज, डेढ़ वर्ष बाद, वह भाव पतला पड़ चुका है। और शायद इसी कारण इस बार भाजपा की जीत असाधारण लगती है-क्योंकि परिणाम चौंकाता नहीं, क्योंकि उसके रास्ते में कुछ था ही नहीं। कोई प्रतिद्वंद्वी विचार नहीं, कोई टक्कर देती कल्पना नहीं, कोई अलग भारत का सपना नहीं।

नवाजुद्दीन सिद्दीकी की रात अकेली है 2 का टीजर जारी, रिलीज तारीख भी आ गई

अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी और चित्रांगदा सिंह की अदाकारी से सजी अपकमिंग फिल्म रात अकेली है; द बंसल मर्डर्स का टीजर रिलीज हो गया है। टीजर में नवाजुद्दीन सिद्दीकी पुलिस की भूमिका में हैं। फिल्म में वह बंसल परिवार के मर्डर केस को सुलझाते हुए नजर आएंगे। आइए जानते हैं टीजर में और क्या है?

टीजर में देखा जा सकता है कि बंसल परिवार का एक ही रात में मर्डर हो जाता है। इसके बाद एक रहस्मयी घर दिखता है। कुछ लोग पूजा कर रहे होते हैं। कब्रिस्तान की झलक दिखती है। बंसल मर्डर केस की जांच नवाजुद्दीन सिद्दीकी करते हैं। जब वह केस की जांच कर रहे होते हैं, तो उन्हें कई अजीब चीजें जानने को मिलती हैं। इस पर वह कहते हैं बंसल मर्डर कोई छोटा-मोटा कांड नहीं है, यह हत्याकांड है। इसकी जड़ मैं कहीं से भी ढूंढ निकालूंगा याद रखिएगा। नेटफ्लिक्स ने इंस्टाग्राम पर टीजर जारी करते हुए इसकी रिलीज की तारीख भी बताई है। टीजर जारी करते हुए नेटफ्लिक्स ने इंस्टाग्राम पर लिखा है इंस्पेक्टर जटिल का रात के अंधेरे से पुराना रिश्ता है लेकिन बंसल मर्डर का केस और भी गहरा है। रात अकेली है: द बंसल मर्डर 19 दिसंबर को नेटफ्लिक्स पर आ ही है।

एल्विश यादव ने औकात के बाहर से अभिनय की दुनिया में रखा कदम, टीजर जारी

मशहूर यूट्यूबर और बिग बॉस ओटीटी 2 के विनर एल्विश यादव अभिनय की दुनिया में कदम रखने जा रहे हैं। फर्स्ट कॉपी में मुनव्वर फारूकी की तरह उनका भी डिजिटल डेब्यू होने जा रहा है।

यह जानकारी यूट्यूबर ने आगामी सीरीज औकात के बाहर का टीजर जारी करते हुए अपने प्रशंसकों तक पहुंचाई है। सीरीज में एल्विश का हरियाणवी अवतार देखने को मिला है। इस दमदार टीजर ने उनके प्रशंसकों को अभी से उत्साहित कर दिया है।

एल्विश ने अपनी पहली सीरीज औकात के बाहर का टीजर जारी करते हुए लिखा, आंखों में भूख, दिल में आग, ये सफर होगा औकात के बाहर! उनकी इस सीरीज को एमएक्स प्लेयर पर रिलीज किया जाएगा जिसका लुत्फ दर्शक मुफ्त में उठा सकेंगे।

भारत बनाम दक्षिण अफ्रीका, पहला वनडे: इन खिलाड़ियों के बीच देखने को मिल सकती है टक्कर

नईदिल्ली,भारतीय क्रिकेट टीम और दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट टीम 30 नवंबर से रांची में शुरू होने वाली 3 मैचों की वनडे सीरीज के लिए पूरी तरह तैयार हैं। नियमित कप्तान शुभमन गिल के बाहर होने के कारण केएल राहुल टीम की कमान संभालेंगे। इसी तरह टेस्ट सीरीज में 2-0 से जीत करने वाली प्रोटियाज टीम वनडे सीरीज में भी जीत दर्ज करना चाहेगी। इस बीच जानते हैं वनडे सीरीज में किन खिलाड़ियों के बीच टक्कर देखने को मिल सकती है।

अपनी बहुमुखी प्रतिभा के लिए पहचान रखने वाले राहुल की इस प्रारूप में चौथे और 5वें नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए औसत 55 से ज्यादा है। हालांकि, दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उनकी औसत 26.71 की है। बाएं हाथ के स्पिनर केशव महाराज बीच के ओवरों में राहुल को चुनौती दे सकते हैं क्योंकि केशव रनों के प्रवाह को रोकने के लिए जाने जाते हैं। महाराज ने 8 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में राहुल को 3 बार पवेलियन की राह दिखाई है। पूर्व कप्तान रोहित शर्मा ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत की पिछली वनडे सीरीज में 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' रहे थे। गिल की अनुपस्थिति में रोहित पर शीर्ष क्रम में अतिरिक्त जिम्मेदारियां होंगी। इस बीच रोहित को लुंगी एनगिडी के खिलाफ कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा सकता है। एनगिडी ने 3 वनडे मुकाबलों में रोहित को 2 बार आउट किया है। हालांकि, रोहित इस मुकाबले में आक्रामक रहे हैं और उन्होंने एनगिडी के खिलाफ 36 गेंदों पर 52 रन बनाए हैं। क्विंटन डिकॉक उन खिलाड़ियों में से एक हैं जिन पर सबकी नजरें होंगी। उनका इस प्रारूप में भारत के खिलाफ प्रदर्शन शानदार रहा है। उन्होंने भारत के खिलाफ 53.85 की औसत से 1,077 रन बनाए हैं। हालांकि, बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह नई गेंद से डिकॉक को आउट करने की कोशिश करेंगे। दोनों खिलाड़ी अभी तक वनडे में आमने-सामने नहीं हुए हैं, लेकिन अर्शदीप ने 8 टी-20 मुकाबलों में 4 बार डिकॉक को अपना शिकार बनाया है।

घट्टामनेनी परिवार से नई स्टार बनने वाली है जानवी

घट्टामनेनी की नई स्टार जानवी आने वाली हैं। घट्टामनेनी परिवार ने कई स्टार्स को जन्म दिया है और उनमें सुपर स्टार कृष्णा, सुपर स्टार महेश बाबू जैसे नाम शामिल हैं।अब पहली बार, कोई हीरोइन बन रही है और वह कोई और नहीं बल्कि महेश बाबू की भतीजी जानवी घट्टामनेनी हैं। जानवी महेश बाबू की बहन मंजुला घट्टामनेनी की बेटी हैं। उनकी तस्वीरें वायरल हो रही हैं और उनका आकर्षक, सुंदर और मंत्रमुग्ध कर देने वाला लुक सभी का ध्यान खींच रहा है। वह अपने दादा कृष्णा की कृपा, अपने चाचा महेश बाबू के आकर्षण और अपनी माँ मंजुला घट्टामनेनी की सोच को साथ लेकर चल रही हैं। जानवी कैमरे के लिए नई नहीं हैं और वह अपनी माँ की डायरेक्टोरियल डेब्यू फिल्म मनासुकु नचिंदी में नज़र आई थीं। मंजुला कहती हैं,

वह एक्टिंग नहीं करतीं, और आगे कहती हैं, वह महसूस करती हैं। मंजुला के लिए यह ज़िंदगी का एक पूरा चक्कर है। उनके बहुत सपनों वाले ऑन स्क्रीन डेब्यू को सुपर स्टार कृष्णा के फैंस ने बहुत विरोध का सामना करना पड़ा और उन्हें अपने सपने छोड़ने पड़े और उनकी खुशी के लिए, फैंस उनकी बेटी जानवी के डेब्यू का स्वागत कर रहे हैं और उनसे और भी उम्मीदें लगाए हुए हैं।

पापुआ न्यू गिनी के क्रिकेटर किपलिन डोरिगा को 3 साल की जेल

नईदिल्ली,पापुआ न्यू गिनी के 30 वर्षीय क्रिकेटर किपलिन डोरिगा को डकैती और महिला पर हमला करने का दोषी पाए जाने पर जर्सी की रॉयल कोर्ट ने 3 साल की जेल की सजा सुनाई है। यह घटना उस समय हुई जब डोरिगा इस साल की शुरुआत में आईसीसी क्रिकेट विश्व कप चैलेंज लीग में खेल रहे थे। बता दें कि डोरिगा पापुआ न्यू गिनी के प्रमुख विकेटकीपर बल्लेबाज हैं, जिन्होंने 39 वनडे और 43 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। यह घटना 25 अगस्त, 2025 को घटी, जब डोरिगा ने सेंट हेलियर में एक महिला पर हमला किया और उसे जमीन पर गिरा दिया। इस दौरान डोरिगा ने उसका फोन भी छीन लिया था। महिला की चोटों का विवरण अभी तक सार्वजनिक नही किया गया है। उसी दिन बाद में डोरिगा को गिरफ्तार कर लिया गया और अधिकारियों ने घटना के संबंध में उससे पूछताछ की।

शाहीन शाह अफरीदी और मोहम्मद नवाज ने श्रीलंका को किया बेदम

नई दिल्ली। शाहीन शाह अफरीदी और मोहम्मद नवाज की शानदार गेंदबाजी के दम पर पाकिस्तान ने शनिवार को रावलपिंडी में खेले गए ट्राई सीरीज के फाइनल में श्रीलंका को छह विकेट से हरा दिया। पहले गेंदबाजी करते हुए श्रीलंका ने पाकिस्तान को महज 114 रनों पर ढेर कर दिया। इस आसान से टारगेट को मेजबान टीम ने चार विकेट खोकर 18.4 ओवरों में हासिल कर लिया। शाहीन और नवाज ने तीन-तीन विकेट अपने नाम किए। बल्लेबाजी में पाकिस्तान के लिए सैम अयूब ने 33 गेंदों पर 36 रनों की पारी खेली। श्रीलंका की तरफ से सबसे ज्यादा 59 रन कामिल मिसारा ने बनाए। वह इस मैच में अर्धशतक जमाने वाले इकलौते बल्लेबाज हैं। अपनी पारी में इस बल्लेबाज ने 47 गेंदों पर दो चौके और चार छक्के मारे।

पाकिस्तान की अच्छी शुरुआत

115 रनों के टारगेट का पीछा करने उतरी पाकिस्तान की टीम को साहिबजादा फरहान और सैम अयूब ने सधी हुई शुरुआत दी। दोनों ने पहले विकेट के लिए 46 रन जोड़े। इशान मलिंगा ने फरहान को आउट कर पाकिस्तान को पहला झटका दिया। वह 22 गेंदों पर दो चौके और एक छक्के की मदद से 23 रन बनाने में सफल रहे। इसके बाद वानिंदु हसारंगा ने अयूब को आउट कर पाकिस्तान का दूसरा विकेट गिराया। अयूब 75 के कुल स्कोर पर आउट हुए।

इसके बाद पाकिस्तान को सलमान अली अगा (14) और फखर जमां (3) के रूप में दो जल्दी-जल्दी झटके लगे, लेकिन बाबर आजम ने 34 गेंदों पर दो चौके और एक छक्के की मदद से नाबाद 37 रनों की पारी खेल पाकिस्तान को जीत दिलाई।

अफरीदी और नवाज का कहर

इससे पहले, पाथुम निसांका और कामिल मिसारा श्रीलंका को अच्छी शुरुआत नहीं दे सके। निसांका तीसरे ओवर की चौथी गेंद पर अफरीदी की गेंद पर बोल्ड हो गए। निसांका के बाद कुसल मेंडिस ने मिसारा का साथ दिया।

एक नजर

डा. कमलेश का नेशनल अवार्ड के लिए चयन होने पर जताई खुशी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : दिव्यांग विद्यालय के संस्थापक अध्यक्ष डा. कमलेश कुमार का चयन डा. अंबेडकर विशिष्ट सेवा नेशनल अवार्ड के लिए होने पर भारती देवी एजुकेशन फाउंडेशन झंडीचौड़ ने खुशी व्यक्त की है। कहा कि डा. कमलेश समाज सेवा में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं।

आयोजित बैठक में वक्ताओं ने कहा कि डा. कमलेश कुमार झंडीचौड़ पूर्वी में स्थित दिव्यांग विद्यालय के संस्थापक हैं। वह सदैव दिव्यांगों की सेवा में तत्पर रहते हैं। कहा कि समाज के लिए दिया जा रहा उनका योगदान अमूल्य है। उनके इन्हीं कार्यों को देखते हुए भारतीय दलित साहित्य अकादमी दिल्ली की ओर से उन्हें डा. अंबेडकर विशिष्ट सेवा नेशनल अवार्ड दिया जा रहा है। अकादमी के मंडलीय अध्यक्ष डा. सुरेंद्र लाल आर्य ने कहा कि दिल्ली में 12 दिसंबर को अंतरराष्ट्रीय सम्मान होना है, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में अकादमी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. एसपी सुमनाक्षर मौजूद रहेगें। इस मौके पर रिनी लखेड़ा, हेमा जदली, संगीता भट्ट, बलराज दत्त, डा. आरके जोशी आदि मौजूद रहे।

दुधारखाल में भालू का आतंक, दहशत में ग्रामीण

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : जयहरीखाल ब्लॉक के अंतर्गत दुधारखाल क्षेत्र में इन दिनों भालू का आंतक बना हुआ है, जिससे क्षेत्र में लोगों में भय का माहौल बना हुआ है। ग्रामीणों ने वन विभाग से क्षेत्र में वन कर्मियों की गश्त बढ़ाने व पिंजरा लगाने की मांग की है।ग्रामीण संजय खंतवाल, भाष्करानंद, राजेंद्र सिंह ने बताया कि उन्हें आए दिन भालू क्षेत्र में घूमते हुए दिखाई दे रहा है। बताया कि दुधारखाल में सवेरे की सैर को निकले एक शिक्षक पर भालू ने हमले का प्रयास किया। शिक्षक ने मौके से भाग खुद की जान बचाई। उधर, कोटा मल्ला में एक पेड़ पर ग्रामीणों को पांच भालू एक साथ नजर आए। क्षेत्री जन की माने तो भालू चार-पांच के झुंड में क्षेत्र में घूम रहे हैं, जिससे पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों ने किसी अनहोनी से पूर्व ही भालूओं को पकड़ने के लिए पिंजरा लगाने की मांग वन महकमे से की है। कहा कि स्कूल जाने वाले बच्चों के लिए भालूओं से खतरा पैदा हो गया है। उन्होने वन विभाग से क्षेत्र में गश्त बढ़ाने की भी मांग की है।

छात्रों ने नृत्यांगना अभयालक्ष्मी से सीखें नृत्य के गुर

श्रीनगर गढ़वाल : गढ़वाल विश्वविद्यालय के लोक कला एवं संस्कृति निष्पादन केन्द्र और स्पिक मैके की ओर से अंतरराष्ट्रीय मंचों पर प्रदर्शन करने वाली ओडिसी नृत्यांगना अभयालक्ष्मी ने एमए थिएटर के छात्र-छात्राओं को नृत्य और अभिनय में भाव भंगिमाओं के बारे में जानकारियां दी। अभयालक्ष्मी देश-विदेश के स्थापित कलाकारों के साथ कार्यशालाएं, कक्षाएं व प्रस्तुतियां आयोजित करती हैं। वे पद्मश्री गुरु अरुणा मोहंती की वरिष्ठ शिष्या हैं। अभयालक्ष्मी ने नृत्य की शुरुआत 6 वर्ष की आयु में कोयंबटूर स्थित टेम्पल ऑफ फाइन आर्ट्स इंटरनेशनल से भरतनाट्यम प्रशिक्षण के साथ की।

अभयालक्ष्मी ने भगवान जगन्नाथ से जुड़े ऐतिहासिक प्रसंग और मुस्लिम कवि सालवेग के प्रसिद्ध भजन ह्यह्नआहे निला सैलाह्नह्न पर नृत्य प्रस्तुत किया। लोक कला एवं संस्कृति निष्पादन केन्द्र के निदेशक गणेश खुगशाल गणी ने कहा कि स्पिक मैके के माध्यम से केन्द्र के शिक्षार्थियों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय कलाकारों से साक्षात कराने में सफलता मिलेगी।

5 से 30 दिसंबर तक आयोजित होंगे जन सुविधा शिविर

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : समाज कल्याण विभाग सहित अन्य विभागों द्वारा संचालित जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ आम जनमानस तक पहुंचाने के उद्देश्य से विकासखंड स्तर पर पेंशन व जन सुविधा शिविर आयोजित किए जाएंगे। जिला समाज कल्याण अधिकारी टीआर मलेठा ने जानकारी देते हुए बताया कि विभागीय योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ पात्र व्यक्तियों को उपलब्ध हो सके तथा जन कल्याणकारी योजनाओं से उन्हें लाभान्वित किया जा सके। इसी के मध्यनजर माह दिसंबर हेतु शिविर आयोजित किए जाने हेतु रोस्टर जारी किया गया है। उन्होंने बताया कि निर्धारित रोस्टर के अनुसार 05 दिसंबर को विकासखंड जखोली के राजकीय इंटरमीडिएट कॉलेज घंगासू बांगर में जन सुविधा शिविर का आयोजन किया जाएगा।

अतिक्रमण से संकरी हुई सड़कें, लग रहा जाम

शादी सीजन में लगातार बढ़ रही जाम की समस्या

कोटद्वार में अतिक्रमण के कारण सड़क पर लगा जाम

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : अतिक्रमण के कारण संकरी हो चुकी शहर की सड़कों पर यातायात चुनौती बनता जा रहा है। कहीं सड़क पर गैराज तो कहीं इधर-उधर सड़क पर घूमती रेहड़ी-ठेलियों के कारण जाम लग रहा है। ऐसे में सबसे अधिक परेशानी पैदल चलने वालों को होती है। शहर की सड़कों पर पूरे दिन वाहन रेंग-रेंग कर चलते हुए नजर आए।

वर्तमान में शादियों का सीजन चल रहा है। यही कारण है कि सड़क पर वाहनों का दबाव लगातार बढ़ता जा रहा है। अतिक्रमण व अन्य अव्यवस्थाएं जाम का मुख्य कारण बन रही है। बाजार क्षेत्र की बात करें तो पटेल मार्ग, मानपुर-सिताबपुर मार्ग, स्टेशन रोड, देवी रोड में जगह-जगह सड़क किनारे गैराज संचालित हो रहे हैं। यही नहीं, कई व्यापारियों ने अपने प्रतिष्ठानों का सामान सड़क किनारे सफेद पट्टी के बाहर तक लगाया हुआ है। बची हुई कसर को सड़क पर बेतरतीब तरीके से घूम रही रेहड़ी-ठेली पूरा कर रही है। शहर में पूरे दिन यातायात रेंग-रेंग कर चल रहा है। चौंकाने वाली बात तो यह है कि स्थिति देखने के बाद भी सरकारी सिस्टम व्यवस्थाओं में सुधार करने को तैयार नहीं है।

सड़क पर दुकान सजाने वालों के खिलाफ एक-दो माह में एक बार चालान की कार्रवाई कर खानापूर्ति की जाती है। लगातार बढ़ रही अव्यवस्थाओं के कारण सड़क पर दुर्घटनाओं का भी खतरा बढ़ता जा रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पुलिस व नगर निगम को केवल गोखले मार्ग पर अतिक्रमण करने वाली रेहड़ी-ठेली दिखाई देती है। जबकि, बाजार को जोड़ने वाले मार्गों पर स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है।

पार्किंग की नहीं व्यवस्था

शहर में लगातार वाहनों की संख्या बढ़ती जा रही है। लेकिन, आज तक सरकारी सिस्टम शहर में एक पार्किंग स्थल की व्यवस्था तक नहीं कर पाया है। ऐसे में कई लोगों को मजबूरन सड़क पर ही अपने वाहन खड़े करने पड़ते हैं। यदि शहर में पार्किंग स्थल की व्यवस्था हो जाती है तो आधी समस्या स्वयं ही खत्म हो जाएगी। हालांकि, नगर निगम व स्थानीय प्रशासन पिछले कई वर्षों से पार्किंग स्थल चिह्नित करने का आश्वासन दे रहा है।

पूर्णाहुति के साथ संपन्न हुआ साधना शिविर

कण्वाश्रम में आयोजित योग शिविर में जानकारी देते योगराज जयंत सरस्वती

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : वैदिक आश्रम गुरुकुल में आयोजित अंतरराष्ट्रीय योग व आयुर्वेद साधना शिविर का शनिवार को समापन हो गया। इस दौरान लोगों ने प्रतिदिन सूर्योदय से पूर्व उठकर योगाभ्यास करने का संकल्प लिया।

भाबर स्थिति कण्वाश्रम में शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में लोगों को योग के महत्व के बारे में बताया गया। वक्ताओं ने कहा कि स्वस्थ शरीर पाने के लिए हमें प्रतिदिन योग करना चाहिए। योग से कई बड़ी-बड़ी बीमारियां खत्म हो जाती हैं। शिविर में आयुर्वेद के महत्व के बारे में भी बताया गया। कहा कि आयुर्वेद से शरीर पर किसी भी तरह का दुष्प्रभाव नहीं पड़ता इसलिए हमें आयुर्वेद पर अधिक भरोसा करना चाहिए। इसके उपरांत यज्ञ का भी आयोजन किया गया। योगीराज जयंत सरस्वती ने कहा कि यज्ञ के माध्यम से हम अपने आसपास के वातावरण को शुद्ध रख सकते हैं। इस मौके पर संजीव शर्मा, संतोष कुमार, जयवीर रावत, जगमोहन नौटियाल, संजय रावत, अमित कुमार आदि मौजूद रहे।

जन समस्याओं पर कांग्रेस ने जताया रोष

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : प्रदेश में लगातार बढ़ रहे जंगली जानवरों के हमले सहित विभिन्न समस्याओं पर कांग्रेस ने रोष व्यक्त किया है। कहा कि समस्याओं के समाधान के लिए सरकार को गंभीरता से कार्य करना चाहिए।

शनिवार को कांग्रेस कार्यकर्ता व पदाधिकारी तहसील परिसर में पहुंचे। जहां उन्होंने प्रशासन के माध्यम से राज्यपाल को ज्ञापन भेजा। पूर्व प्रदेश महामंत्री रंजना रावत ने कहा कि प्रदेश में जंगली जानवर लोगों को निवाला बना रहे है। इसके बाद भी सरकार लापरवाह बनी हुई है। पिछले एक माह से प्रतिदिन पहाड़ में ग्रामीण जंगली जानवरों का निवाला बन रहे हैं। जानवरों की दहशत में जी रहे ग्रामीणों का घरों से बाहर निकलना तक मुश्किल हो गया है। पहाड़ में कृषि, बागवानी पूरी तरह बर्बाद हो चुकी है। बावजूद इसके सरकार पूरी तरह लापरवाह बनी हुई है। कांग्रेसियों ने प्रदेश में उपनल कर्मियों की सुनवाई नहीं होने पर भी रोष व्यक्त किया। कहा कि सरकार को जल्द से जल्द उपनल व संविदा कर्मियों के नियमितिकरण की कार्रवाई करनी चाहिए। कांग्रेस ने प्रदेश में लगाए गए स्मार्ट मीटर को भी हटाने की मांग उठाई। कहा कि स्मार्ट मीटर लगने के बाद बिजली का बिल चार गुना तक आ रहा है। ऐसे में सबसे अधिक परेशानी गरीब परिवारों को हो रही है। इस मौके पर बलवीर सिंह रावत, वीरेंद्र सिंह रावत, शीला भारती, लक्ष्मी चौहान, रमेश चंद्र खंतवाल, प्रदीप नेगी, कृपाल सिंह नेगी, जावेद हुसैन, महावीर सिंह नेगी, प्रदीप नेगी आदि मौजूद रहे।

संदिग्ध परिस्थितियों में युवक की मौत

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : कोटद्वार में संचालित एक नशामुक्ति केंद्र में भर्ती एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। शुक्रवार अपराह्न करीब तीन बजे दिल्ली में गली नंबर 16, न्यू बस्ती अनंत प्रभात, करोलबाग निवासी 28 वर्षीय जय अग्रवाल को बेहोशी की हालत में 108 आकस्मिक चिकित्सा वाहन से बेस चिकित्सालय में लाया गया। जहां मौजूद चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया।

जयंती पर सर जगदीश चंद्र बसु को किया याद

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : सर जगदीश चंद्र बसु की जयंती पर हेमनदास सरस्वती शिशु मंदिर जानकीनगर में कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों व शिक्षकों ने जगदीश चंद्र बसु के योगदान को याद किया। विद्यालय परिसरस में आयोजित कार्यक्रम में प्रधानाचार्य प्रदीप नौटियाल ने सर जगदीश चंद्र बसु के चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी। उन्होंने विद्यार्थियों को जगदीश चंद्र बसु की ओर से की गई विभिन्न खोज के बारे में बताया। कहा कि वह भारत के महान वैज्ञानिक, भौतिक विज्ञान, जीव वैज्ञानिक और वनस्पति वैज्ञानिक थे। उन्होंने माइक्रोवेव संचार के क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण अविष्कार किए हैं। पौधों में जीवन और संवेदनशीलता को साबित करने वाले प्रयोग भी किए गए। उन्हें आधुनिक वायरलेस संचार का एक प्रमुख जनक कहा जाता है। इस मौके पर योगेश नेगी, अंचल कुमार अग्रवाल, गीता रावत, सुनीता पंत, श्रेया चौधरी, दीक्षा, कीर्ति द्विवेदी, पूजा चतुर्वेदी, हेमा पांडेय आदि मौजूद रहे।

आवारा कुत्तों पर नियंत्रण के लिए निगम ने मांगा सहयोग

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : शहर में आवारा कुत्तों का आतंक लागातर बढ़ता जा रहा है। आए दिन कुत्ते राह चलते लोगों को जख्मी कर रहे हैं। ऐसे में नगर निगम ने आमजन से कुत्तों पर नियंत्रण लगाने के लिए सहयोग की अपील की है। कहा कि इसके लिए नगर निगम आमजन को जागरूक करेगा।

आयोजित बैठक में आवारा कुत्तों को लेकर उच्चतम न्यायालय की ओर से जारी आदेशों के क्रम में नगर निगम प्रशासन ने आवारा कुत्तों को भोजन-पानी देने के लिए स्थान चिह्नित किये। नगर आयुक्त पीएल शाह ने बताया कि निगम प्रशासन ने आवारा कुत्तों को भोजन व पानी देने के लिए मालवीय उद्यान, सिताबपुर पार्किंग, देवी मंदिर के निकट, शिब्बूनगर रॉयल एनफिल्ड शोरूम के निकट स्थलों को निर्धारित किया है। बताया कि आवारा कुत्तों से संबंधित किसी भी शिकायत अथवा सहायता के लिए हेल्पलाइन नं. 7579476028 जारी किया गया है। इसके लिए आमजन को नगर निगम का सहयोग करना चाहिए। नगर निगम स्वयं भी समय-समय पर इसके लिए जागरूकता अभियान चलाता रहेगा। कहा कि आक्रामक कुत्तों का रेस्क्यू कर उन्हें सेल्टर हाउस में रखे जाने के लिए सेल्टर बनाया जा रहा है। सेल्टर हाउस में आक्रामक कुत्ते को चिकित्सीय उपचार करने के बाद रखा जाएगा। नगर आयुक्त ने आवारा कुत्तों के हमलों पर नियंत्रण के लिए सभी विभागों से भी सहयोग मांगते हुए प्रत्येक विभाग में एक-एक नोडल अधिकारी नामित करने के निर्देश दिए। स्वास्थ्य विभाग को व्यापक मात्रा में एंटी रेबीज व इम्यूनोग्लोबीन का स्टाक रखने को कहा गया है। कहा कि सभी विभागों को एकजुट होकर कार्य करना होगा। इस मौके पर तहसीलदार साक्षी उपाध्याय, सहायक नगर आयुक्त चंद्रशेखर शर्मा, अजय कुमार अष्टवाल, मुख्य सफाई निरीक्षक सुनील कुमार, परमीत कुमार, पशु चिकित्साधिकारी डा. बीएम गुप्ता आदि मौजूद रहे।

कोटद्वार नगर निगम सभागार में बैठक लेते नगर आयुक्त पीएल शाह

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर सेमिनार का आयोजन

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार :आईटीडीए कैल्क कंप्यूटर संस्थान में श्री तिमली ट्रस्ट तथा कोजिक्स फाउंडेशन के तत्वाधान में एआई आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर सेमिनार का आयोजन किया गया, जिसमे छात्र–छात्राओं को एआई के मूल सिद्धांतों के बारे में जानकारी दीं गयी तथा औद्योगिक क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एआई का कैसे प्रयोग किया जा सकता है उसके बारे में विस्तार से जानकारी दीं गयी । एआई के क्षेत्र में जॉब की संभावनाओं को बताया गया ।

छात्र–छात्राओं को साइबर सिक्योरिटी ऐसेट मैनेजमेंट की भी जानकारी दीं गयी सेमिनार में ललित पंत आशीष डबराल मधुसूदन कोहली आशुतोष लखनपाल ने एआई तथा उससे जुड़े विभिन्न विषयों पर व्याख्यान दिए । सेमिनार में

आईटीडीए के निदेशक डॉ नंदकिशोर ज़ख्मोला सह निदेशक अनीता जखमोला संस्थान के जनसंपर्क अधिकारी अरविंद दुदपुड़ी, भारत रावत ,रजनी रावत, स्वाति कंडवाल ,नितेश रावत, मोहित ठाकुर, सौरभ घनसेला ,अंशिका डंगवाल नेहा रतूड़ी, कशिश सहित संस्थान के समस्त छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

जंगली जानवरों के बढ़ते आतंक पर पूर्व सैनिकों ने जताई चिंता

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत अपर कालाबड़ में अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद की बैठक में गांवों में गुलदार के बढ़ते आतंक पर गहरी चिंता व्यक्त की गई। परिषद ने प्रदेश सरकार से हिसंक वन्य जीवों के लिए जंगल में ही खाने व पानी की व्यवस्था करने की मांग उठाई।

संगठन के अध्यक्ष देवेंद्र सिंह नेगी ने कहा कि वर्तमान में पर्वतीय क्षेत्रों में गुलदार व भालू का आतंक फैला हुआ है, जिससे ग्रामीणों में भय का माहौल बना हुआ है। कहा कि इस समस्या के समाधान के लिए केंद्र सरकार को राज्य सरकार के साथ समीक्षा बैठक करनी चाहिए। कहा कि सरकारें केवल मुआवजा राशि देने तक सीमित हो गई है। कहा कि सरकार को वन्य जीवों के खाने-पीने की व्यवस्था जंगल में कर देनी चाहिए, ताकि वे आबादी क्षेत्र में आकर लोगों पर हमला न कर सकें। कहा कि सरकारों को आबादी क्षेत्र में तारबाड़ की व्यवस्था करनी चाहिए। इस मौके पर गोपाल कृष्ण बड़थ्वाल, हरीश खुगशाल, बलवान सिंह रावत, अनिल डबराल, पुष्कर सिंह रावत,नरेंद्र सिंह रावत मौजूद रहे।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे नाम पर भारतीय जीवन बीमा पालिसी संख्या- 273415499 है। जिसमें मेरा नाम दिलवर सिंह चौहान अंकित है, जबकि अन्य अभिलेखों में मेरा नाम दिनेश सिंह अंकित है तथा उक्त पालिसी में मेरी जन्मतिथि 04.02.1987 दर्ज है, जबकि मेरी सही जन्मतिथि 01-01-1987 है। दिलवर सिंह चौहान व दिनेश सिंह एक ही व्यक्ति है।

दिनेश सिंह पुत्र श्री सोवन सिंह ग्राम मरोडा, पट्टी चोपडाकोअ, तहसील थलीसैंण, जिला पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड।

(1523/21)

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी पुत्री के जन्म प्रमाण पत्र पंजीकरण संख्या 231, पंजीकृत दिनांक 28-05-2015 में पुत्री का नाम कु0 चेतना, पिता का नाम कुलदीप सिंह बिष्ट तथा स्थायी पता 12/28, आर्शीवाद इन्क्लेव, निकट बल्लुपुर, देहरादून, जिला देहरादून अंकित है। जबकि मेरी पुत्री का सही नाम अक्षिता बिष्ट, पिता का सही नाम कुलदीप बिष्ट तथा सही स्थायी पता लेन नं0- 04, अमर विहार, स्प्रिंग हिल्स विद्यालय के पास, अजबपुर कलां, अजबपुर देहरादून है।

अतः मेरी पुत्री के जन्म प्रमाण पत्र में पुत्री का सही नाम अक्षिता बिष्ट, पिता का सही नाम कुलदीप बिष्ट तथा सही स्थायी पता लेन नं0- 04, अमर विहार, स्प्रिंग हिल्स विद्यालय के पास, अजबपुर कलां, अजबपुर देहरादून दर्ज किया जाय।

कुलदीप बिष्ट पुत्र स्व0 सुल्तान सिंह बिष्ट निवासी लेन नं0- 04, अमर विहार, स्प्रिंग हिल्स विद्यालय के पास, अजबपुर कलां, अजबपुर देहरादून।

(1522/21)

गढ़वाल विवि ने परीक्षा केंद्र निर्धारित किए

श्रीनगर गढ़वाल : हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विवि की वर्ष 2025-26 के स्नातक और स्नोतकोत्तर के विषम सेमेस्टरों की मुख्य एवं व्यावसाहिक पाठ्यक्रमों की परीक्षाओं के सफल संचालन के लिए विवि ने परीक्षा केंद्र निर्धारित किए हैं। गढ़वाल विवि के परीक्षा नियंत्रक प्रो. जेएस चौहान ने बताया कि बाबू राम डिग्री कॉलेज सलियार रूड़की, विशम्बर सहाय ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट डिग्री कॉलेज, आएमपी (पीजी) कॉलेज नारसन हरिद्वार, आसीपी (पीजी) कॉलेज ऑफ एलाइड सांइस रूड़की, बीएसएस कॉलेज, हिमगिरी कॉलेज सिकारपुर हरिद्वार, धनौरी डिग्री कॉलेज धनौरी, हिमालयन दून एकेडिमी भगवानपुर रूड़की, एसएमजेए (पीजी) कॉलेज हरिद्वार,पुहाना रूड़की और अरिहन्त कॉलेज ऑफ एजुकेशन रूड़की हरिद्वार का परीक्षा केंद्र बीएसएम (पीजी) कॉलेज रूड़की निर्धारित किया गया है, जबकि हर्षविद्या मंदिर रायसी हरिद्वार का परीक्षा केंद्र गर्ग डिग्री कॉलेज लक्सर हरिद्वार, कुन्ती नमन इंस्टीट्यूट हरिद्वार, पीआरसी (पीजी) कॉलेज किसनपुर हरिद्वार का चिनमय डिग्री कॉलेज रानीपुर हरिद्वार, निम्बस एकेडिमी ऑफ मैनेजमेंट देहरादून, डीडी इंस्टीट्यूट देहरादून, उत्तरांचल कॉलेज आफ बाइमेडिकल देहरादून, जीआरडी गर्ल्स कॉलेज देहरादून का एप्लाइन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी देहरादून, चंद्रावती तिवारी लॉ कॉलेज कोटद्वार, इंस्टीट्यूट ऑफ हॉस्पिटेलिटी मैनेजमेंट एंड साइंस कोटद्वार का राजकीय (पीजी) कॉलेज कोटद्वार और जीआरडी इंस्टीट्यूट राजपुर रोड़ देहरादून एवं लिब्रा कॉलेज ऑफ लॉ देहरादून का परीक्षा केंद्र डीएवी (पीजी) कॉलेज देहरादून निर्धारित किया गया है। (एजेंसी)

शव दाह के लिए लकड़ियों की व्यवस्था की जाएं

श्रीनगर गढ़वाल : अवकाश प्राप्त कर्मचारी विकास संगठन ने शहर की विभिन्न समस्याओं को लेकर नगर निगम श्रीनगर महापौर आरती भंडारी को ज्ञापन प्रेषित किया। ज्ञापन में संगठन के अध्यक्ष सुरेश चंद्र मैठाणी, सचिव दीनबंधु सिंह चौहान, सह सचिव हरि प्रसाद उनियाल और वरिष्ठ सदस्य मणि भारती ने कहा कि अलकेश्वर घाट में अंतिम दाह संस्कार के लिए लकड़ियों का अभाव होने से शव को लेकर पहुंचने वाले लोगों को खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने अलकेश्वर घाट में शव दाह के लिए लकड़ियों की व्यवस्था किए जाने की मांग की।

सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा की नि:शुल्क कोचिंग के लिए करें आवेदन

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : जनपद पौड़ी के जिला समाज कल्याण विभाग द्वारा आर्थिक रुप से कमजोर अनुसूचित जाति के मेद्यावी छात्रों को सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा की तैयारी के लिए निःशुल्क कोचिंग प्रदान की जाएगी। विभाग ने निःशुल्क कोचिंग के लिए दो संस्थानों का चयन किया गया है। इच्छुक अभ्यर्थी 3 दिसंबर तक आवेदन कर सकते है। आवेदन के साथ अंकपत्र, आय प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र एवं आवश्यक दस्तावेज संलग्न करना अनिवार्य है। प्रभारी जिला समाज कल्याण अधिकारी पौड़ी अनिल सेमवाल ने बताया कि जिले में वर्ष 2025-26 के लिए आर्थिक रूप से कमजोर अनुसूचित जाति के छात्र-छात्राओं को सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा की तैयारी के लिए निःशुल्क कोचिंग प्रदान की जाएगी। जिसके लिए हेमवती नंदन बहुगुणा केंद्रीय गढ़वाल विवि श्रीनगर गढ़वाल और पीएनजी राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय रामनगर (नैनीताल) को प्रशिक्षण केंद्र के रूप में चयनित किया गया। बताया कि प्रशिक्षण की अवधि 3 माह निर्धारित की गई है। योजना में छात्र और छात्राओं के लिए 50-50 सीटें आरक्षित हैं। बताया कि इस योजना का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर, लेकिन प्रतिभाशाली अनुसूचित जाति के युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं में बेहतर अवसर प्रदान करना है। कहा कि चयन प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी होगी और सभी अभ्यर्थियों का चयन मेरिट के आधार पर किया जाएगा। उन्होंने बताया कि योजना का लाभ लेने के लिए छात्र-छात्राओं को राज्य के किसी मान्यता प्राप्त विवि या संस्थान में नियमित छात्र होना चाहिए। साथ ही इससे पहले अभ्यर्थी द्वारा समाज कल्याण विभाग की किसी भी कोचिंग योजना का लाभ न लिया हो। स्नातक न्यूनतम 55 फीसदी अंक तथा शासनादेश में निर्धारित अन्य शर्तें लागू रहेंगी। प्रभारी जिला समाज कल्याण अधिकारी पौड़ी अनिल सेमवाल ने बताया कि इच्छुक अभ्यर्थी 3 दिसंबर तक आवेदन निर्धारित प्रारूप में समाज कल्याण विभाग के निदेशालय मानपुर पूरख रामपुर रोड हल्द्वानी कार्यालय में जमा कर सकते हैं। बताया कि निःशुल्क आवेदन पत्र और योजना से संबंधित विस्तृत जानकारी समाज कल्याण विभाग की वेबसाइट पर विस्तार से जानकारी ली जा सकती है।

राइका पुरियाडांग की पीटीए अध्यक्ष बनीं हिमानी भंडारी

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : विकासखंड कल्जीखाल क्षेत्र के अंतर्गत राजकीय इंटर कॉलेज पुरियाडांग की वर्ष 2025-26 की नवीन कार्यकारिणी गठित कर ली गई। कार्यकारिणी में हिमानी भंडारी को अध्यक्ष चुना गया।

कार्यकारिणी में सर्वसहमति से हिमानी भंडारी अध्यक्ष, उपाध्यक्ष (पदेन) प्रधानाचार्य मनोज कुमार घुनियाल, सचिव क्रांति किशोर आर्य, कोषाध्यक्ष श्रीमती कविता देवी को चुना गया। जबकि रश्मि देवी, मनोज कुमार, अर्जुन सिंह, विनोद कुमार, मालती देवी, सदस्य चुना गया। समाजिक कार्यकर्ता जगमोहन डांगी व ग्राम प्रधान अशोक रावत को कार्यकरणी में सक्रिय सदस्य चुना गया। वहीं विद्यालय के संस्थापक पूर्व ब्लॉक प्रमुख सुरेंद्र सिंह नेगी संरक्षक की भूमिका में यथावत रहेंगे। नव निर्वाचित अध्यक्ष हिमानी भंडारी ने सभी अभिभावकों से

अपील करते हुए कहा कि एक दिन सभी अभिभावक श्रमदान कर विद्यालय के आसपास की झाड़ियां काटने में सहयोग करें। उन्होंने सभी अभिभावकों से विद्यालय में बेहतर शैक्षिक मौहल और अनुशासन बनाने के लिए सहयोग की अपील की। कहा कि हॉप टाइम में कोई भी छात्र-छात्रा विद्यालय से बाहर नहीं आएंगे। नियमों का पालन करवाने की नैतिक जिम्मेदारी विद्यालय प्रबंधक समिति की होगी। बैठक में मुख्य अतिथि क्षेत्र पंचायत सदस्य कविता देवी ने कमला नेहरू पुरुस्कार एवं मुख्यमंत्री मेधावी छात्रवृति के पात्र छात्र-छात्राओं को चेक वितरित किये। छात्रवृति पाने वाले ऋषिका, कशिश, कंचन शाह, दिया, हर्षित, ऋषिका, साबर सिंह, शुभम रावत आदि छात्र शामिल रहे।

दिवाकर भट्ट की प्रतिमा स्थापित करने की उठाई मांग

श्रीनगर गढ़वाल : देवप्रयाग क्षेत्र के पूर्व विधायक एवं राज्य सरकार में कैबिनेट मंत्री रहे, राज्य आंदोलनकारी स्व. दिवाकर भट्ट को विभिन्न संगठनों से जुड़े लोगों एवं आम जनमानस ने कीर्तिनगर रामलीला मैदान और भल्लेगांव में श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान स्व. भट्ट की राज्य के प्रति धारणा को लेकर सामाजिक लोगों ने अपने अनुभव साझा किये। देवप्रयाग जन अधिकार मोर्चा के संस्थापक गणेश भट्ट ने राज्य सरकार और क्षेत्रीय विधायक से मलेथा तिराहे पर स्व. दिवाकर भट्ट की प्रतिमा स्थापित कर नाम दिवाकर चौक रखे जाने की मांग की। कहा कि एक माह के भीतर स्व. भट्ट की मूर्ति स्थापित नहीं की जाती है तो वे अपने खर्चे पर मलेथा या कीर्तिनगर में स्वयं मूर्ति स्थापित करेंगें। मूल निवास भू-कानून समिति के संयोजक अरुण नेगी, जसपाल, महावीर आदि ने कहा कि दिवाकर भट्ट अंतिम लड़ाई राज्य बचाने की लड़ना चाहते थे, जिसमें वे मूल निवास 1950, उत्तराखंड का अपना भूमि कानून, राजधानी गैरसैंण को लेकर एक अंतिम संघर्ष करना चाहते थे।

पत्रांक Ghass/Pauri/164/2025 दिनांक 29/11/2025

Walk in Interview

लक्ष्यगत हस्तक्षेप परियोजना (टी0आई0) घास

ग्रामीण हिमालय अध्ययन एवं संरक्षण संस्था द्वारा संचालित **NACO** एवं उत्तराखण्ड **USACS** देहरादून के सहयोग से लक्ष्यगत हस्तक्षेप (टी0आई0) परियोजना में संस्था को टी0आई0 पौड़ी/श्रीनगर हेतु काउन्सलर के पद पर अस्थाई कार्य करने हेतु अभ्यर्थी की आवश्यकता है।

क्र. सं.	पद	सं0	वेतन + यात्रा भत्ता	शैक्षिक योग्यता /अनुभव
1	काउन्सलर (Counselor)	01	16000+ यात्रा भत्ता	स्नातकोत्तर समाजशास्त्र/मनोविज्ञान व 1 वर्ष का अनुभव स्नातक समाजशास्त्र/एम0एस0डब्लू0/मनोविज्ञान व 3 वर्ष का अनुभव (राष्ट्रीय स्वास्थ्य के तहत परामर्श/शिक्षा) में अनुभवी अभ्यर्थी को वरीयता) व कम्प्यूटर ज्ञान अति आवश्यक

इच्छुक अभ्यर्थी अपना बायोडाटा तथा अपने समस्त प्रमाण पत्रों की मूल प्रति एवं छाया प्रति लेकर दिनांक 05/12/2025 को प्रातः 11:30 बजे संस्था प्रशासनिक कार्यालय ग्रामीण हिमालय अध्ययन एवं संरक्षण संस्था, ढौंडियाल निवास, श्रीनगर रोड (निकट सी0एस0डी0 कैन्टीन) पौड़ी में साक्षात्कार के लिए उपस्थित हों। अधिक जानकारी के लिए - मो0 8279319751, 9548124476,8273591999 पर सम्पर्क कर सकते है।

सचिव

ग्रामीण हिमालय अध्ययन एवं संरक्षण संस्था

कुम्भीचौड़, कोटद्वार।

संक्षिप्त समाचार

दून से अग्रोहा धाम के लिए रवाना हुए तीर्थ यात्री

देहरादून। राज्य सभा सांसद नरेश बंसल और अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के राष्ट्रीय संगठन मंत्री रोशन लाल अग्रवाल ने शनिवार को शिवाजी धर्मशाला में अग्रोहा धाम हरियाणा की धार्मिक यात्रा में जाने वाले यात्रियों की बस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। ये यात्री हरियाणा के हिसार जिले के निकट अग्रोहा धाम में समृद्ध और विकसित भारत निर्माण के लिये होने वाले 18 कुण्डीय महा यज्ञ में भाग लेंगे और कुलदेवी महालक्ष्मी की विशेष आराधना करेंगे। अग्रवाल सम्मेलन के प्रदेश अध्यक्ष योगेश अग्रवाल, प्रदेश महामंत्री राजकिशोर जैन, प्रदेश चिकित्सा प्रमुख डॉ. एसके अग्रवाल, नरेन्द्र गोयल, डॉ. इंदिरा अग्रवाल, प्रमोद गर्ग, सविता अग्रवाल, शालू जैन, सुधीर अग्रवाल, संतोष अग्रवाल, राहुल अग्रवाल, पुष्पा अग्रवाल संग यात्रियों ने कुलदेवी महालक्ष्मी, अग्रसेन महाराज तथा कुलदेवी बनभौरी माता के जयकारे लगाकर अग्रोहा धाम की यात्रा शुरू की। दो दिनी धर्मयात्रा लाडवा, कुरुक्षेत्र होते हुए माता बनभौरी तीर्थ स्थल के बाद अग्रोहा धाम जाएगी और इसी मार्ग से वापस देहरादून लौटेगी। मौके पर प्रदेश कोषाध्यक्ष मोती कुमार दीवान, युवा इकाई मंत्री कुणाल बंसल, दिनेश गोयल मौजूद रहे।

खलंगा मेले से पहले नालापानी में निकाली साइकिल रैली

देहरादून। बलभद्र खलंगा विकास समिति की ओर से आयोजित 51 वां खलंगा मेला साइकिल रैली और चंद्रयानी मंदिर में पूजा अर्चना के साथ शुरू हो गया। शनिवार की सुबह स्वास्थ्य जागरुकता, पर्यावरण संरक्षण, संवर्द्धन का संदेश देने के लिए सहस्त्रधारा रोड से खलंगा युद्ध कीर्ति स्तंभ तक खलंगा बहादुरी साइकिल रैली निकाली गई। बलभद्र खलंगा विकास समिति अध्यक्ष कर्नल विक्रम सिंह थापा, आर्कियालॉजी सर्वे ऑफ इंडिया के निदेशक डॉ.मोहन चंद्र जोशी, गोर्खाली सुधार सभा अध्यक्ष पदम सिंह थापा, समिति उपाध्यक्ष बीनू गुरूंग, सचिव प्रभा शाह ने सहस्त्रधारा रोड स्थित खलंगा युद्ध स्मारक में पुष्पाजंलि अर्पित करते हुए वीरों को श्रद्धांजलि दी। समिति अध्यक्ष कर्नल विक्रम थापा सिंह ने हरी झंडी दिखाकर रैली का शुभारंभ किया। साइकिल रैली का नेतृत्व पहाड़ी पैडलर्स एवं दून बाइक राइडर्स के कर्नल अनिल गुरूंग ने किया। साइकिल रैली के बाद नालापानी स्थित चंद्रयानी मंदिर नाला पानी देहरादून में हवन पूजन के बाद भण्डारे का आयोजन किया गया। सचिव प्रभा शाह ने बताया कि खलंगा मेला रविवार को रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ सागरताल में होगा। मौके पर पंडित कष्णा पंथी, कर्नल सीबी थापा, कर्नल एमबी राना, राम सिंह थापा, कै.वाईबी थापा, संजय थापा, एलबी गुरूंग, महेश भूषाल, राम सिंह थापा, कर्नल डीएस खड़का, शमशेर थापा, सुनीता गुरूंग, गोपाल क्षेत्री, अशोक बल्लभ शर्मा, राकेश उपाध्याय, अनिल थापा, राजू गुरूंग मौजूद रहे।

लिंक क्लिक करते ही हैंग हुआ फोन, खाते से 5 लाख गायब

देहरादून। बैंक खाते की ऑनलाइन केवाईसी करने के नाम पर दून के एक व्यक्ति से साइबर ठग ने 5.05 लाख रुपये ठग लिए। पटेलनगर कोतवाली में अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार, भानु प्रताप सिंह निवासी मेहूंवालामाफी ने तहरीर दी कि 11 नवंबर को उन्हें एक अनजान नंबर से व्हाट्एसएप पर कॉल आया था। उन्हें बताया गया कि उनके खाते की ऑनलाइन केवाईसी नहीं हुई है। केवाईसी नहीं करने पर बैंक खाता बंद करने की चेतावनी दी गई। कॉल करने वाले ने खुद को बैंक का कर्मचारी बताया। उन्हें कहा कि वो ऑनलाइन डीटेल डालकर केवाईसी कर सकते हैं। उनके फोन पर एक लिंक भेजा गया। भानु ने बताया कि जैसे ही उन्होंने लिंक क्लिक किया, उनका फोन हैंग हो गया। वो कुछ समझ पाते इससे पहले साइबर ठग ने उनके खाते से 5.05 लाख रुपये निकाल लिए। पुलिस ने मुकदमा दर्जकर मामले की छानबीन शुरू कर दी है।

इंद्रापुरम में सीसी सड़क कार्य का शिलान्यास

देहरादून। कैंट विधायक सविता कपूर ने शनिवार को विधायक निधि के तहत वार्ड 41 इंद्रापुरम के गणेश वाटिका में सीसी सड़क निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। इस मौके पर सविता कपूर ने कहा कि कैंट विधानसभा के प्रत्येक वार्ड में विकास कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर किया जा रहा है। क्षेत्र की जनसुविधाओं के विस्तार के लिए सड़क, नाली एवं अन्य आधारभूत संरचना से संबंधित कार्य निरंतर जारी रहेंगे। क्षेत्रवासियों की सुविधा उनकी पहली प्राथमिकता है।

आंगनबाड़ी केंद्रों में स्वच्छता पाठशाला व आयु-उपयुक्त शिक्षण सामग्री अनिवार्य

डीएम ने किया फरासू गांव में मॉडल आंगनबाड़ी केंद्र का निरीक्षण

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : जिलाधिकारी स्वाति एस. भदौरिया ने शनिवार को तहसील श्रीनगर क्षेत्रांतर्गत फरासू गांव में पहुंकर बचपन (आंगनबाड़ी केंद्र में प्रगति व पोषण की उन्नत पहल) के तहत विकसित मॉडल आंगनबाड़ी केंद्र का निरीक्षण किया। फरासू गांव में पहली बार जिलाधिकारी के आगमन पर ग्रामीण महिलाओं ने पारंपरिक रीति-रिवाजों से स्वागत किया। जिलाधिकारी ने सभी बचपन आंगनबाड़ी केंद्रों में प्रतिभा दिवस आयोजित करने, स्वच्छता पाठशाला को प्रभावी बनाने, बच्चों की आयु-उपयुक्त पाठ्य सामग्री व यूनिफार्म उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बच्चों के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दिया जाए और इसके लिए सभी केंद्रों में डाइट चार्ट तैयार कर इसका पालन करें।जिलाधिकारी ने कहा कि बचपन आंगनबाड़ी केंद्रों को आधुनिक मॉडल पर विकसित किया जा रहा है, जिनमें आयु-स्तर के अनुरूप शैक्षणिक सामग्री, प्रीलोडेड एजुकेशनल मटीरियल से युक्त स्मार्ट टीवी, खेल-आधारित शिक्षण सामग्री, फ्लैश कार्ड, बच्चों के बैठने हेतु टेबल-कुर्सियां, बाहरी गतिविधियों के लिए फिसलपट्टी, धुआँमुक्त रसोई, उच्च गुणवत्ता वाला भोजन, स्वच्छ पेयजल और विद्युत जैसी सभी मूलभूत सुविधाएं शामिल होंगी। उन्होंने सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रथम चरण में शामिल अन्य 60 आंगनबाड़ी केंद्रों को इसी मॉडल पर विकसित करें, ताकि बच्चों को वैज्ञानिक तरीके से, आधुनिक, सुरक्षित और पोषणयुक्त वातावरण में सीखने का अवसर मिल सके। साथ हीं आधुनिक शैक्षिक सामग्री के माध्यम से बच्चों को मनोरंजक तरीके से, खेल-खेल में और अधिक वैज्ञानिक पद्धति से सीखने की आदत विकसित करने का प्रयास सुनिश्चित किया जाए। इस दैरान डीएम ने गांव की गर्भवती महिलाओं, नवजात शिशुओं एवं माताओं को प्राप्त हो रही सरकारी योजनाओं की स्थिति भी जानी और धुआँमुक्त रसोई में बनें भोजन से एक बच्चे का अन्नप्राशन संस्कार संपन्न करवाया। कार्यक्रम में उपजिलाधिकारी श्रीनगर नूपुर वर्मा, जिला कार्यक्रम अधिकारी देवेंद्र थपलियाल, सहायक नगर आयुक्त गायत्री बिष्ट, तहसीलदार दीपक भंडारी, पार्षद विजय चमोली, आंगनबाड़ी कार्यकत्री अनिता देवी सहित ग्रामवासी उपस्थित थे।

गांव के प्रवेश द्वार पर लगेगा हैंडपंप

ग्रामीणों की पेयजल समस्या पर ज्ञापन प्राप्त करते हुए जिलाधिकारी ने नगर निगम वार्ड-2 फरासू गांव की पेयजल लाइन को डेढ़ इंच से बढ़ाकर ढाई इंच करने हेतु प्रस्ताव पर कार्रवाई करने को कहा। उन्होंने गांव के नलों में पेयजल आपूर्ति का निरीक्षण किया और प्रवेश द्वार पर नया हैंडपंप स्थापित करने के निर्देश जल संस्थान को दिए।

मुख्य प्रशासनिक अधिकारी संजय नेगी सेवानिवृत्त

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : मुख्य प्रशासनिक अधिकारी संजय कुमार नेगी अधिवर्षता पूर्ण होने पर सेवानिवृत्त हो गये है। उनकी सेवानिवृत्ति होने पर सभी अधिकारियों व कर्मचारियों द्वारा भावभीनी विदाई दी

संजय कुमार नेगी कृषि निदेशालय देहरादून में मुख्य प्रशासनिक अधिकारी के पद पर कार्यरत थे। वह पेशावर कांड के मानायक स्व. वीर चंद्र सिंह गढ़वाली के पौत्र है। श्री नेगी को पुष्प माला पहनाकर व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। इस मौके पर वक्ताओं ने कहा कि श्री नेगी बहुत ही कर्मठ और ईमानदार व्यक्ति हैं, जिनकी कमी खलेगी। कहा कि श्री नेगी ने अपने कर्तव्यों का पालन सहृदय होकर सहज और शालीन बनकर किया। इस मौके पर उपस्थित अधिकारियों व कर्मचारियों ने सुखद, मंगलमय और स्वस्थ दीर्घायु जीवन की कामना की।

खेल महाकुंभ-2025 के लिए प्रशासनिक स्तर पर तैयारियां शुरू

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : खेल महाकुंभ-2025 के अंतर्गत मुख्यमंत्री चैंपियनशिप ट्रॉफी हेतु विभिन्न स्तरों पर आयोजित होने वाली प्रतियोगिताओं के लिए प्रशासनिक तैयारियां शुरू हो गई हैं। अलग-अलग विधाओं में आयोजित होने वाली प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग करने से पूर्व खिलाड़ियों को पंजीकरण कराना आवश्यक है। जिलाधिकारी प्रतीक जैन ने खेल महाकुंभ के तहत आयोजित होने वाली प्रतियोगिताओं हेतु सभी संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं।

अंडर-14 के बालक व बालिका वर्ग में न्याय पंचायत स्तर पर कबड्डी, एथलेटिक्स, लंबी कूद, ऊंची कूद, गोला फैंक, खो-खो व मुर्गा झपट के साथ ही अंडर-19 बालक व बालिका वर्ग में कबड्डी, एथलेटिक्स, दौड़, लंबी कूद, ऊंची कूद, गोला फैंक, भाला फैंक, चक्का फैंक, खो-खो व मुर्गा झपट में प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। इसके बाद न्याय पंचायत स्तर पर विजयी टीमें कबड्डी, एथलेटिक्स, खो-खो व झपट प्रतियोगिता के लिए विधान सभा (विधायक चैंपियनशिप ट्रॉफी) के लिए प्रतिभाग करेंगी। इसके बाद संसदीय क्षेत्र (सांसद चैंपियनशिप ट्रॉफी) पर प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी। संसदीय क्षेत्र स्तर पर मलखम, रस्सा-कस्सी, गोली (कंचा), फुटबॉल व बैडमिंटन विधाओं में प्रतियोगिताएं भी आयोजित होंगी। राज्य स्तर पर (मुख्यमंत्री चैंपियनशिप ट्रॉफी) में प्रतिभाग करने के लिए संसदीय क्षेत्र स्तर पर विजयी टीमें प्रतिभाग कर सकेंगी।

एनसीसी कैडेट्स को राहत व बचाव का प्रशिक्षण मिला

देहरादून। एनसीसी कैडेट्स के लिए 23 नवंबर से आयोजित प्रशिक्षण शिविर में कैडेट्स को आपदा के दौरान बचाव कार्य और बरती जाने वाली सावधानी के बारे में बताया गया। आपदा प्रबंधन जागरूकता प्रशिक्षण संबंधी कार्यक्रम का शनिवार को समापन किया गया। इस दौरान कैडेट्स को आपदा प्रबंधन के विभिन्न विषयों पर जानकारी दी गई।

आपदा प्रबंधन की अवधारणा व आपदा अधिनियम 2005 भूकंप, भूस्खलन, बाढ़ एवं त्वरित बाढ़, सूखा आदि से सुरक्षा की तैयारी करना, आपदा प्रबंधन व पुनर्वास विभाग, उत्तराखंड शासन व जिलाधिकारी के निर्देशों में एनसीसी कैडेट्स को फर्स्ट एड, केमिकल, न्यूक्लियर, बायोलॉजिकल, रेडियोलॉजिकल आपदा प्रबंधन, रोड सेफ्टी, रस्सी गांठ, स्ट्रेचर बनाना, गहरी खाइयों में चढ़ना–उतरना आदि का प्रशिक्षण दिया गया

।कार्यक्रम में सक्रिय रूप से प्रतिभाग करने वाले प्रशिक्षित एनसीसी कैडेट्स आपदा की परिस्थिति में फर्स्ट रिस्पांडर के रूप में स्थानीय प्रशासन को सहयोग देंगे, जिससे राहत व बचाव कार्य किए जा सकेंगे।

छात्राओं ने संभाली युवा संसद की कमान, पक्ष और विपक्ष में देखने को मिली तीखी बहस

जयन्त प्रतिनिधि।

लैंसडौन : भक्त दर्शन राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय जयहरीखाल में शनिवार को युवा संसद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमे देश के ज्वलंत मुद्दों पर प्रतिपक्ष और सत्ता पक्ष के छात्र सांसदों के बीच तीखी बहस देखने को मिली। युवा संसद के माध्यम से छात्र छात्राओं को संसदीय परंपराओं के निर्वहन का संदेश भी दिया गया।

कार्यक्रम में अनुष्का राष्ट्रपति, मीनाक्षी उपराष्ट्रपति, आंचल लोकसभा अध्यक्ष, संजना महासचिव, नेहा प्रधानमंत्री, अमीषा शिक्षा मंत्री, साक्षी खेल मंत्री, दिया वित्त मंत्री एवं कणिका ने नेता प्रतिपक्ष की भूमिका निभाई। संसद के संयुक्त अधिवेशन में राष्ट्रपति ने अभिभाषण प्रस्तुत किया। लोक सभा अध्यक्ष के रूप में आंचल ने सदन की कार्यवाही का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में नवनिर्वाचित सदस्यों को शपथ दिलाई गई। दिवंगत सांसद को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गयी। प्रश्न काल में युवा सांसद गौरव, राहुल एवं तनीषा के द्वारा पुरानी पेंशन, नई शिक्षा नीति एवं खेल नीति के संबंध में प्रश्न पूछे गए, जिनका संबंधित युवा मंत्रियों द्वारा जवाब दिया गया। कार्यक्रम का संचालन करते हुए नोडल अधिकारी डॉ. अजय रावत ने राष्ट्रीय युवा सांसद योजना के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम की प्रशंसा करते हुए छात्रा नेहा ने बताया कि महाविद्यालय में इस प्रकार के कार्यक्रम छात्र-छात्राओं को अपनी प्रतिभा को प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करते हैं। इस अवसर पर प्रो. एस.पी. मधवाल, डॉ. आर. के. द्विवेदी, डॉ. कमल कुमार, डॉ. देवेन्द्र सिंह चौहान, डॉ. शहजाद, डॉ. उमेश ध्यानी, डॉ. अभिषेक कुकरेती, डॉ. मोहन कुकरेती, डॉ. अर्चना, डॉ. शिप्रा, डॉ. मानसी, डॉ. नेहा, डॉ. वीरेन्द्र कुमार सैनी, डॉ. मोहन कुकरेती, डॉ. गुंजन आर्य, डॉ. श्रद्धा भारती, शुभम, हिमानी धीमान, कुलदीप सिंह, साजन सिंह, रूप सिंह, तारा सिंह उपस्थित रहे।

डीएम ने किया श्रीनगर में निर्माणाधीन क्रिटिकल केयर ब्लॉक का निरीक्षण

भवन के सभी आंतरिक व बाहरी संरचनात्मक कार्यों को एक साथ समय पर पूरा करें

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : जिलाधिकारी स्वाति एस. भदौरिया ने श्रीनगर स्थित निर्माणाधीन एच.एन.बी. बेस हॉस्पिटल के क्रिटिकल केयर ब्लॉक का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माणदायी संस्था को निर्देश दिए कि भवन के सभी आंतरिक व बाहरी संरचनात्मक कार्यों को एक साथ समय पर पूरा करें।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि क्रिटिकल केयर ब्लॉक में लगाए जाने वाले सभी यांत्रिक, चिकित्सीय और डिजिटल उपकरण मानकों के अनुसार होने चाहिए, ताकि अस्पताल के संचालन में किसी प्रकार की बाधा न आए। जिलाधिकारी ने 50 बेड के निर्माणाधीन इस ब्लॉक के सभी तलों का निरीक्षण करते हुए आईसीयू, यूरोलॉजिस्ट, कार्डियोलॉजिस्ट व न्यूरोलॉजिस्ट यूनिटों में स्थापित हो रही आधारभूत संरचनाओं का जायजा लिया। उन्होंने ब्लॉक के अंदर व बाहर के सभी संरचनात्मक कार्यों को फिनिशिंग सहित एक साथ पूरा करने के निर्देश दिए। साथ ही पार्किंग व्यवस्था, सीसीटीवी कैमरों की स्थापना व लिफ्ट की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिए जाने को कहा। ब्रिडकुल के अधिकारियों ने बताया कि 18 करोड़ 80 लाख रुपये की लागत से बन रहे इस ब्लॉक का 85 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है तथा शेष कार्य तेजी से प्रगति पर है। निरीक्षण के दौरान प्राचार्य मेडिकल कॉलेज श्रीनगर डॉ. आशुतोष सयाना, उपजिलाधिकारी नूपूर वर्मा, परियोजना प्रबंधक ब्रिडकुल संजय कुमार जैन, चिकित्सा अधीक्षक डॉ. राकेश रावत, सहायक अभियंता अनिल कुमार सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को राज्य कर्मचारी घोषित करे सरकार

देहरादून। उत्तराखंड राज्य आंगनबाड़ी कर्मचारी संघ का क्रमिक अनशन 14वें दिन भी जारी रहा। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने राज्य कर्मचारी घोषित करने की मांग की है। चेताया कि जब तक उनकी मांग पूरी नहीं होती है तब तक आंदोलन जारी रहेगा। पंडित दीन दयाल पार्क में धरने पर बैठे आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर नारेबाजी की। सभा में वक्ताओं ने कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता कई सालों से बहुत कम मानदेय पर काम कर रही हैं। महंगाई के दौर में इतने कम मानदेय पर परिवार का पालन-पोषण करना संभव नहीं है। कार्यकर्ताओं ने शीघ्र ही आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को राज्य कर्मचारी घोषित करने की मांग की है। क्रमिक अनशन पर अनीता, शोभना, रेखा, रश्मि, रोशनी, मधुबाला, रेखा, राखी, सिमरन, अनीता, कंचन बैठी रहीं।

शीतलहर की दस्तक: प्रशासन ने शुरू की बचाव तैयारियां

देहरादून। शीतलहर और तापमान में दिनों दिन गिरावट को देखते हुए देहरादून जिला प्रशासन अलर्ट मोड में आ गया है। जिलाधिकारी सविन बंसल के निर्देशों पर अपर जिलाधिकारी केके मिश्रा ने शनिवार को एनआईसी सभागार में शीतलहर की तैयारियों को लेकर बैठक ली। उन्होंने शीत ऋतु में बर्फबारी और ठंड से बचाव के लिए रेखीय विभागों को शीघ्र एक्शन प्लान उपलब्ध कराने और आम जनमानस को शीतलहर के प्रति जागरूक करने के निर्देश दिए।

अपर जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि गरीब और बेघर लोगों के लिए प्रमुख सार्वजनिक स्थानों, चौक चौराहों, अस्पतालों एवं बस स्टैंड पर रात्रि में अलाव जलाने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। बेघरों को सुरक्षित आश्रय प्रदान करने के लिए रैन बसेरों को पूरी क्षमता से संचालित करते हुए गद्दे, कंबल, हीटर जैसी आवश्यक सुविधाएँ सुनिश्चित करें। जरूरतमंद लोगों को गरम कंबल वितरण किए जाए।

अपर जिलाधिकारी ने अस्पतालों में दवाइयों और मेडिकल स्टाफ की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के साथ बच्चों, गर्भवती महिलाओं और बुजुर्गों के लिए स्वास्थ्य एडवाइजरी जारी करने के निर्देश दिए। साथ ही शीतलहर के दृष्टिगत गर्भवती महिलाओं का संपूर्ण डाटा रखने को कहा, ताकि आपात परिस्थितियों में उन्हें शीघ्र अति शीघ्र चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जा सके।अपर जिलाधिकारी ने कहा कि बर्फवारी और पालाग्रस्त क्षेत्रों में साइनेज लगाए जाए। बर्फवारी से बाधित सड़कों को खोलने के लिए पर्याप्त संख्या में मैनपावर व मशीनरी का प्लान तैयार रखे।

बढते ऋण धोखाधड़ी मामलों पर डीएम सख्त, हरहाल में होगी कार्यवाही

देहरादून। विगत दिवस फरियादी सुप्रिया नौटियाल पत्नी स्व० प्रदीप रतूड़ी द्वारा एक जिलाधिकारी सविन बसंल के समक्ष 15 नवम्बर 2025 गुहार लगाई कि उनके पति प्रदीप रतूड़ी द्वारा वाहन कय किये जाने हेतु प्रबन्धक, एचडीएफसी आरगो जीआईसी लि० से मु० 8,11,709/– का ऋण लिया गया था। सम्बंधित बैंक के द्वारा बताया गया कि लोन के पश्चात् बीमा एक अनिवार्य प्रक्रिया है, जो आईआरडीए के दिशा निर्देशों के अनुसार किसी भी ऋण को सुरक्षित करने के लिए आवश्यक है तथा एचडीएफसी अरगो जीआईसी लि० से पॉलिसी संख्या सीआई 24–14680 और सर्व सुरक्षा प्लस क्लेम नं० आरआर–सीआई 24–14680891 के माध्यम से बीमा कराया गया। बीमा सम्बंधी दस्तावेज कभी भी डाक या कुरियर के माध्यम से भौतिक रूप से उपलब्ध नहीं कराये गये। उनके पति की मृत्यु के पश्चात् सुप्रियाय द्वारा बैंक से अपने पति द्वारा लिए गये लोन मु0 8,11,709/– को चुकाने हेतु दबाव बनाया जा रहा है तथा लोन न चुकाने की स्थिति में वाहन को उठा लेने की धमकी दी जा रही है, जिसके लिए सुप्रिया द्वारा सम्बंधित इंश्योरेंस कम्पनी के विरूद्ध कार्यवाही किये जाने का अनुरोध जिलाधिकारी से किया गया है।

पुलिस ने 1400 वाहन जांचे, 2700 व्यक्तियों से पूछताछ

देहरादून। दून पुलिस ने शनिवार को जिलेभर में 1400 वाहनों की चेकिंग कर 2700 लोगों से पूछताछ की। सुरक्षा के दृष्टिगत पुलिस की ओर से अभियान चलाया गया। एसएसपी अजय सिंह ने बताया कि अलग–अलग टीमों की ओर से संबंधित क्षेत्राधिकारियों के नेतृत्व में लगातार सभी सीमावर्ती चैक पोस्टें, आंतरिक मार्गों पर आने जाने वाले वाहनों, व्यक्तियों चेकिंग की जा रही है। बाहरी राज्यों से आने वाले व्यक्तियों से पूछताछ कर उनका सत्यापन किया जा रहा है। शनिवार को जनपद के नगर और देहात के सभी थाना क्षेत्रों में पुलिस ने चैक पोस्टों, धार्मिक स्थलों, भीड़–भाड़ वाले इलाकों, संवेदनशील, महत्वपूर्ण स्थानों पर सघन चेकिंग अभियान चलाया।

घरेलू गैस सिलेण्डरों के दुरुपयोग पर प्रशासन सख्त

जिले के 140 होटल-ढाबों पर छापेमारी, 21 सिलेण्डरों पर 48 हजार 300 का लगाया जुर्माना

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : जिलाधिकारी स्वाति एस. भदौरिया के निर्देशन में खाद्य आपूर्ति विभाग द्वारा जिले में घरेलू गैस सिलेण्डरों के व्यावसायिक उपयोग को रोकने के लिए व्यापक अभियान चलाया जा रहा है। नगर पालिका, नगर निगम व नगर पंचायत क्षेत्रों में गठित निरीक्षण टीमों द्वारा होटल, ढाबा व विभिन्न प्रतिष्ठानों पर छापेमारी कर जांच की जा रही है। जिला पूर्ति अधिकारी ने बताया कि घरेलू गैस का व्यावसायिक प्रयोग नियमविरुद्ध है। उन्होंने बताया कि आगे भी ऐसे निरीक्षण जारी रहेंगे और उल्लंघनकारी प्रतिष्ठानों पर कठोर कार्यवाही की जाएगी।जिला पूर्ति अधिकारी अरुण कुमार वर्मा ने बताया कि अभियान के दौरान कुल 140 प्रतिष्ठानों की छानबीन की गयी, जिनमें घरेलू गैस सिलेण्डरों के दुरुपयोग के मामले सामने आए। विभागीय कार्रवाई में 21 घरेलू गैस सिलेण्डरों पर 48 हजार 300 रुपये का चालान किया गया, साथ ही 2 सिलेण्डर जब्त भी किए गए।

नगर पालिका पौड़ी क्षेत्र में पूर्ति निरीक्षक शैलेन्द्र कुमार बड़ोला की टीम ने 31 प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर 9 सिलेण्डरों के दुरुपयोग पर 20 हजार 700 रुपये का जुर्माना लगाया। नगर निगम कोटद्वार क्षेत्र में क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी करन सिंह क्षेत्री के नेतृत्व में 23 प्रतिष्ठानों पर छापेमारी की गयी तथा 2 घरेलू गैस सिलेण्डरों पर 4 हजार 600 रुपये का चालान किया गया। वहीं, नगर निगम श्रीनगर क्षेत्र में पूर्ति निरीक्षक विजय कुमार की टीम ने 16 होटल/ढाबों की जांच की, जिसमें 8 में से 6 सिलेण्डरों पर 13 हजार 800 रुपये का चालान किया गया और 2 सिलेण्डर जब्त कर लिए गए। इसके अलावा नगर पंचायत सतपुली एवं अमोठा क्षेत्र में पूर्ति निरीक्षक राखी संतोषी के नेतृत्व में 17 प्रतिष्ठानों की जांच की गयी। घुड़दौड़ी व कोट क्षेत्र में पूर्ति निरीक्षक राकेश पंत की टीम ने 13 स्थानों पर निरीक्षण किया। पाबौ क्षेत्र में पूर्ति निरीक्षक हेमेन्द्र कुमार एवं विजय डोभाल की टीम द्वारा 14 प्रतिष्ठानों की जांच की गयी, जिसमें 4 घरेलू सिलेण्डरों पर 9 हजार 200 रुपये का चालान किया गया। वहीं ऋषिकेश लक्ष्मणझूला क्षेत्र में पूर्ति निरीक्षक ज्योति नेगी एवं दिव्या मुखिया के दल ने 26 प्रतिष्ठानों पर छापेमारी की कार्रवाई की।

असहाय जरूरतमदों के लिए वरदान बन गई जिला प्रशासन की रायफल

देहरादून। जिलाधिकारी सविन बसंल सक्रिय राइफल क्लब फंड से आज 07 असहाय, अक्षम और जरूरतंद लोगों को 1.75 लाख की आर्थिक बांटी गई तथा प्रत्येक लाभार्थी को 25–25 हजार आर्थिक सहायता के चैक प्रदान किए। जिले में प्रथमबार रायफल फंड का उपयोग निर्धन असहाय जरूरतमंदो की सहायता के लिए किया जा रहा है। जिलाधिकारी ने प्रत्येक लाभार्थियों से बात की तथा उनका हालचाल जाना।

जिले में अब तक रायफल फंड से 43 असहाय पात्र लाभार्थियों को 15 लाख की आर्थिक सहायता प्रदान की गई है। जिलाधिकारी ने रायफल क्लब फंड जो मूलभूत सुविधाओं से हटकर एक लक्सरी ट्रांजेक्शन है को निर्बल असहायों की सेवा हथियार बना दिया है, इसी का नतीजा है कि अब इस फंड का उपयोग सीएसआर गतिविधियों को आगे बढ़ाने के लिए किया जा रहा है। जिलाधिकारी ने कहा कि जिला प्रशासन का प्रयास गरीब, असहाय और अक्षम लोगों समाज की मुख्यधारा से जोड़ने का है। उन्होंने कहा कि इस छोटी से धनराशि से असहाय लोगों की समस्या का हम पूर्ण निवारण तो नहीं कर सकते है, मुख्यमंत्री के निर्देशों पर समाज के वंचित वर्ग के लोगों को चिन्हित कर उनको सरकार की योजनाओं और विभिन्न स्त्रोतों से उपलब्ध फंड से आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है। मोथोरोवाला निवासी विधवा महिला शोभा रावत पति के देहान्त होने के कारण दिव्यांग पुत्र की जिम्मेदारी भार स्वरोजगार हेतु स्वरोजगार हेतु 25 हजार आर्थिक सहायता चैक प्रदान किया गया। लोहिया नगर निवासी वृद्धएकल विधवा महिला सुशीला जिनके एक पुत्र की भी मृत्यु हो गई है, कोई सहारा नही है को भरणपोषण जीवन यापन हेतु 25 हजार आर्थिक सहायता

दी गई। संस्कृति लोक कालोनी निवासी विधवा सुरभि शर्मा घर चलाने में असमर्थ, बच्चों के लालन–पालन शिक्षा की बड़ी जिम्मेदारी है को स्वरोजगार हेतु 25 हजार की आर्थिक सहायता। किशनपुर निवासी कैंसर पीड़ित रेनू सिंह को उपचार हेतु 25 हजार की फौरी आर्थिक सहायता प्रदान की गई तथा मोतीबाजार निवासी जुनतारा देवी जो कैंसर पीड़ित हैं को 25 हजार आर्थिक सहायता प्रदान की गई। नालापानी निवासी पूजा देवी, पति व पुत्र की मृत्यु उपरान्त खराब आर्थिक स्थिति से जूझ रही साईं वाटिका चन्दाताल शकुंतला देवी को 25 हजार की आर्थिक सहायता प्रदान की गई। जिलाधिकारी सविन बसंल ने प्रथम बार जिले में राइफल फंड का उपयोग किया जिससे जिले में अब तक इस फंड से धनराशि रू0 15 लाख की सहायता पात्र लोगों को वितरित की गई है, जिसमें झुग्गी बस्ती प्रेमनगर में बालवाडी मरम्मत हेतु दिव्यांग महिला को धनराशि रू0 1,30000, ग्राम फनार तहसील त्यूनी निवासी गरीब बिधवा महिला नीतू दुर्गादेवी के विद्युत बिल की धनराशि रू0 18000, अनाथ अदिति के पिता द्वारा लिए गए बैंक ऋण रू0 50000, भगत सिंह कालोनी निवासी शमीमा को स्वरोजगार हेतु धनराशि रू0 30,000, सरस्वती शिशु मंदिर प्रबन्धक समिति भोगपुर जहां दूर–दूर से बच्चें पढने आते हैं, को बच्चों के परिवहन हेतु वाहन के लिए धनराशि रू0 5,73950 की प्रदान की गई सहायता शामिल है।

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
–सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79
फोन/फैक्स 01382–222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail:
nagendra.uniyal@gmail.com